रांची, गुरुवार, 1 जनवरी 2026 संवत 2082, पौष शुक्ल 13 मूल्य-2 रुपये वर्ष-9, अंक 113 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

नए साल पर मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

संवाददाता

रांची: नववर्ष 2026 के आगमन के साथ ही राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए पर्यटन स्थलों पर पिकनिक और सैर-सपाटे की योजना बना रहे हैं, वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु नववर्ष की शुरूआत ईश्वर की आराधना के साथ करने के लिए मंदिरों और धार्मिक स्थलों का रुख कर रहे हैं।

लोगों की मान्यता है कि नए साल के पहले दिन माथा टेककर और प्रार्थना कर सालभर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाए। राजधानी रांची के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। पहाड़ी मंदिर, दुगार्बाड़ी, काली मंदिर और जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखी गईं।

श्रद्धालु कतारबद्ध होकर धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। पहाड़ी मंदिर में विशेष रूप से सुबह तड़के से ही भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके अलावा साई मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लोगों ने साई बाबा के समक्ष दीप जलाकर नए साल में सुख-शांति और स्वास्थ्य की कामना की। गुरुद्वारों में शब्द-कीर्तन और अरदास के साथ नववर्ष का स्वागत किया गया। जबकि चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन हुआ। चर्चों में मोमबत्तियां जलाकर लोगों ने शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। सभी धर्मों के लोगों में नववर्ष को लेकर उत्साह समान रूप से देखने को मिला।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी जा रही है। वहीं ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन की अपील है कि श्रद्धालु दर्शन के दौरान अनुशासन बनाए रखें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। कुल मिलाकर नववर्ष 2026 की शुरूआत रांची में आस्था, श्रद्धा और उत्साह के साथ हुई है। धार्मिक स्थलों पर उमड़ी भीड़ यह दशार्ती है कि लोग नए साल की शुरूआत सकारात्मकता और विश्वास के साथ करना चाहते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी नए साल 2026 की बधाई

नई दिल्ली : नववर्ष 2026 के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पर लिखा कि नववर्ष आत्म-चिंतन और नए संकल्प लेने का अवसर होता है। उन्होंने लोगों से देश के विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की अपील की। राष्ट्रपति ने कामना की कि वर्ष 2026 सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लेकर आए और एक मजबूत व समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा दे। उन्होंने देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि 2026 सभी के लिए नई आशाएं, नए संकल्प और नया आत्मविश्वास लेकर आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह वर्ष लोगों को जीवन में आगे बढ़ने और प्रगति करने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर एक संस्कृत श्लोक के माध्यम से ज्ञान, साहस, धैर्य, स्वतंत्रता और कौशल जैसे गुणों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने दी नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं

रांची : सीएम हेमंत सोरेन ने नववर्ष 2026 के अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर सभी को नए साल की बधाई, शुभकामनाएं और जोहार कहा। सीएम ने अपने संदेश में कहा कि नववर्ष 2026 का आगमन केवल एक नए साल की शुरूआत नहीं, बल्कि वीर पुरखों के सपनों के सोना झारखंड के निर्माण की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने वर्ष 2025 में झारखंड आंदोलन के वरिष्ठ नेताओं दिशोम गुरु शिबू सोरेन और महान आंदोलनकारी रामदास सोरेन के निधन को याद करते हुए कहा कि वे आज प्रकृति की गोद से राज्य को आशीर्वाद दे रहे हैं।

हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड ने बीते वर्षों में संघर्ष, संकल्प और संभावनाओं की लंबी यात्रा तय की है। इस विकास यात्रा में आदिवासी, मूलवासी, किसान, मजदूर, महिलाएं और युवाओं की अहम भूमिका रही है। राज्य सरकार ने सामाजिक न्याय, जनकल्याण और समावेशी विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सीएम ने कहा कि युवा झारखंड का लक्ष्य अब स्पष्ट है और सरकार वर्ष 2050 तक एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और सतत झारखंड के निर्माण के लिए काम करेगी। उन्होंने बताया कि अबुआ सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को केंद्र में रखकर नीतियां लागू करेगी।

अपने संदेश के अंत में सीएम ने कामना की कि नववर्ष 2026 सभी के जीवन में सुख, शांति, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने संदेश का समापन ह्लजय जोहार, जय झारखंडह्व के साथ किया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की चपेट में आए पुलिसकर्मी, एसआई की मौत, कांस्टेबल जख्मी

दुमका : दुमका जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ड्यूटी पर तैनात एसआई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक कांस्टेबल बेतरह जख्मी हो गया। मृतक एसआई की शिनाख्त हेमन्त भगत के तौर पर की गई है। वहीं जख्मी कांस्टेबल की पहचान देवकी प्रजापति बताई जा रही है। यह घटना उस समय हुई जब दोनों पुलिसकर्मी दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराने में जुटे थे।

मिली जानकारी के अनुसार गिट्टी लदे दो ट्रकों की आपसी टक्कर हो गई थी, जिसमें चालक और खलासी समेत चार लोग जख्मी हो गए थे। सभी जख्मियों को इलाज के लिए शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया था। जख्मियों को अस्पताल पहुंचाने के बाद सब-इंस्पेक्टर हेमन्त सड़क को क्लीयर कराने के लिए दोबारा घटनास्थल पर लौटे थे।

इसी दौरान एक तेज रफ्तार और बेकाबू स्कॉर्पियो वाहन ने सड़क किनारे मौजूद रक हेमन्त भगत और कांस्टेबल देवकी प्रजापति को कुचल दिया। हादसे में एसआई हेमन्त भगत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल देवकी प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नए साल की शुरूआत में महंगाई की मार, कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली : साल 2026 की शुरूआत के साथ ही महंगाई ने लोगों को झटका दिया है। 1 जनवरी 2026 से सरकार ने छढऋसिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। हालांकि राहत की बात यह है कि यह बढ़ोतरी केवल 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर में की गई है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल छढऋसिलेंडर की कीमत में करीब 111 रुपये की बढ़ोतरी की है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार, दिल्ली में अब 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 1,691.50 रुपये में मिलेगा। दिसंबर 2025 में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये थी। इससे पहले नवंबर और दिसंबर में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में मामूली कटौती की गई थी। कमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में होता है, ऐसे में दाम बढ़ने से खाने-पीने के कारोबार पर असर पड़ सकता है।

तेल कंपनियों ने बताया कि अन्य बड़े शहरों में भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में इसी तरह की बढ़ोतरी की गई है। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 8 अप्रैल 2025 के बाद से स्थिर बने हुए हैं।

नए साल के जश्न में स्विट्जरलैंड के बार में धमाका, कई लोगों की मौत और कई घायल

नई दिल्ली । नए साल के मौके पर स्विटजरलैंड से एक दुखद घटना सामने आई है। स्विस पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, क्रैन्स मोंटाना के महंगे अल्पाइन स्की रिसॉर्ट शहर के एक बार में धमाका हुआ। इस धमाके में कई लोग मारे गए और कुछ घायल हो गए। दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गेटन लैथियन ने बताया, ₹एक धमाका हुआ है जिसका कारण पता नहीं है। कई लोग इसमें मारे गए और कई घायल हो गए।₹ पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:30 बजे ले कॉन्स्टेलेशन नाम के एक बार में हुआ। यह बार पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। हादसे के वक्त लोग यहां पर नए साल का जश्न मनाने के लिए जुटे हुए थे।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा, ₹माना जा रहा है कि मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जो छुट्टियों के

सीजन में क्रैन्स-मोंटाना आए थे। धमाके के समय बार में सौ से ज्यादा लोग थे। हम अभी अपनी जांच की शुरूआत में हैं। यह एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्की रिसॉर्ट है जहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं।₹ स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि आग में कम से कम 40 लोग मारे गए।

स्थानीय मीडिया आउटलेट ब्लिक ने बताया कि अधिकारियों ने बचाव और जांच की कोशिशों के चलते क्रांस-मोंटाना के ऊपर नो-फ्लाई जोन भी लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमाके के समय बार के अंदर 100 से ज्यादा लोग थे। स्विस ब्रॉडकास्टर आरटीएस ने बताया कि धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसकी कुल क्षमता लगभग 400 लोगों की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर शेयर किए गए वीडियो में घटना के तुरंत बाद बार से धुएं का घना गुबार उठता हुआ दिख रहा है, जो धमाके और उसके बाद लगी आग के पैमाने को दिखाता है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पुलिस ने मरने वालों और घायलों की सही संख्या नहीं बताई, और न ही आग लगने के कारण के बारे में और जानकारी दी। यह इलाका हाई-एंड हॉलिडे रिसॉर्ट्स के लिए जाना जाता है। पुलिस और क्षेत्रीय लोक अभियोजक के साथ अमेरिकी समयानुसार सुबह करीब 10 बजे (ईटी टाइम जोन के हिसाब से सुबह 4 बजे) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। पीसी में घटना से संबंधित अधिक जानकारी सामने आएगी। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि स्विट्जरलैंड की सबसे खास जगहों में से एक, क्रैन्स-मोंटाना अपनी साल भर रहने वाली धूप के लिए मशहूर है। इसकी खास वजह यह है कि क्रैन्स-मोंटाना रोन वैली में दक्षिण की ओर वाले पठार पर स्थित है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौके पर मौत

लातेहार : लातेहार के सदर थाना क्षेत्र में एसआर पेट्रोल पंप के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त मनिका थाना क्षेत्र के प्लहेया गांव निवासी 35 वर्षीय सनोज यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सनोज यादव लातेहार से घर लौट रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार (जेएच 01 एफजेड 8548) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सनोज सड़क पर गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। टक्कर के बाद कार भी सड़क पर पलट गई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों और परिवार के अनुसार, कार तेज गति में और लापरवाही से चल रही थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया। सदर थाना पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि हादसे की विस्तृत जानकारी और जिम्मेदार की पहचान के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत हुई निर्णायक कार्रवाई, दुश्मन को दिया करारा जवाब : सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली : भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई की और दुश्मन को करारा जवाब दिया गया। यह अभियान आज भी जारी है। भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने नव वर्ष पर अपने एक संदेश में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना बॉर्डर पर सतर्कता बरत रही है। वहीं सेना देश के भीतर आपदाओं में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुरुवार को नव वर्ष के अवसर पर सेनाध्यक्ष ने कहा, ह्लभारतीय सेना राष्ट्र की सुरक्षा पूर्ण सतर्कता और दृढ़ संकल्प के साथ सुनिश्चित कर रही है। गत वर्ष शत्रु के नापाक इरादों को ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई द्वारा करारा उत्तर दिया गया, और यह अभियान आज भी निरंतर जारी है। सीमाओं पर सतर्कता के साथ-साथ, देश के भीतर आपदाओं के समय त्वरित सहायता तथा राष्ट्र-निर्माण से जुड़े प्रयासों के माध्यम से सेना ने राष्ट्रीय प्रगति में अपनी

अहम भूमिका निभाई है।ह्व गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन की योजना सेना के मिलिट्री ऑपरेशन्स ब्रांच में तैयार की गई, जबकि संचालन की निगरानी डीजीएमओ के ऑप्स रूम से सीडीएस और तीनों सेनाध्यक्षों की मौजूदगी में की गई। इस ऑपरेशन में सीमा पार 9 आतंकी कैंप तबाह किए गए। भारतीय सेना ने 7 और वायुसेना ने 2 आतंकी कैंप ध्वस्त किए। यह एक सटीक, सीमित और नियंत्रित कार्रवाई रही, जिससे बढ़त तो मिली ही, पर तनाव अनियंत्रित नहीं हुआ। यही नहीं, भारत ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को भी नाकाम किया। 7 से 10 मई तक पाकिस्तान की ओर से भारत के सैन्य एवं नागरिक ठिकानों पर ड्रोन हमलों की कई कोशिशें की गईं। इन सभी हमलों को भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स ने पूरी तरह विफल किया। नव वर्ष 2026 के आगमन पर थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सेना के सभी अधिकारियों व जवानों समेत सभी पद, परिवारों एवं देशवासियों को शुभ सन्देश दिया। अपने संदेश में सेनाध्यक्ष ने कहा, ह्लनव वर्ष 2026 के शुभ अवसर पर, मैं भारतीय सेना की ओर से समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूं। यह नव वर्ष आपके एवं आपके परिवार के जीवन में सुख, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए।ह्व उन्होंने कहा कि भारतीय सेना परिवर्तन के दशक से गुजर रही है, जहां संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार हमारी सामरिक शक्ति के मूल स्तंभ हैं। स्वदेशी तकनीकों के प्रभावी उपयोग, नए विचारों और निरंतर सुधारों के माध्यम से हम सेना को अधिक सक्षम एवं भविष्य के लिए तैयार बना रहे हैं। नेटवर्किंग और डेटा-केंद्रितता इस परिवर्तन को नई गति प्रदान कर रही हैं। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा, ह्लमैं प्रत्येक नागरिक के योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। आपका विश्वास, सहयोग और एकजुटता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारतीय सेना सुरक्षा और राष्ट्र-निर्माण में अपना योगदान निरंतर देती रहेगी।

समाचार सार

सिल्ली पुलिस ने 58 गोवंशीय पशुओं को कराया मुक्त नौ पशु तस्करों को भेजा जेल

सिल्ली : सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार के सफल नेतृत्व में एक बड़े पशु तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मंगलवार को ग्राम जयनगर के टुंगरी मैदान के पास घेराबंदी कर अवैध रूप से पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे 58 गोवंशीय पशुओं (बैल) को मुक्त कराया और मौके से नौ पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। अभियान में पुअनि रवि कुमार वर्मा, सअनि विनोद कुमार चौधरी, हवलदार संतोष राय तथा आरक्षी महेश्वर महतो, विकास कुमार, मिथिलेश राय और धनंजय राय शामिल थे।

थाना प्रभारी की सूझबूझ से मिली सफलता : जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने गुप्त सूचना मिली थी कि 50-60 पशुओं को तस्कर गुप्त रास्तों से बंगाल ले जाने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए गठित टीम में थाना प्रभारी नवीन कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भौगोलिक स्थिति को समझते हुए टीम को सुनियोजित तरीके से तैनात किया, जिसके कारण तस्करों को भागने का मौका नहीं मिला। थाना प्रभारी की अगुवाई में पुलिस बल ने हजाम टोला जयनगर के टुंगरी मैदान के पास उस समय दबिश दी, जब तस्कर पशुओं को खदेड़ते हुए बंगाल की ओर ले जा रहे थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान : गिरफ्तार किए गए पशु तस्करों में ओरमांझी, पिठोरिया और अनगड़ा थाने के निवासी शामिल हैं। इनमें ओरमांझी के रहनेवाले मो. जमरुद्दीन अंसारी व नेसार अंसारी हैं। पिठोरिया के अशफाक खान, अरमान राय, अमजद खान, आशीष मुंडा, साजिद राय व अफनान अंसारी हैं। जबकि, अनगड़ा निवासी उनजल उरांव है।

कसाइयों को ऊंची कीमत पर बेचने की थी तैयारी : छापेमारी के दौरान पुलिस ने 58 बैलों को विधिवत जब्त किया। थाना प्रभारी नवीन कुमार की उपस्थिति में सभी पशुओं को तत्काल स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि के जिम्मेनामा पर सौंपा गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने कबूल किया कि वे पुलिस से बचने के लिए जंगल और खेतों के रास्तों का उपयोग कर रहे थे, ताकि पशुओं को बंगाल ले जाकर कसाइयों को ऊंचे दाम पर बेचा जा सके।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर तोरपा में मना उत्सव

तोरपा : अयोध्या में बने भव्य श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर बुधवार को तोरपा प्रखंड के कई मंदिरों में पूजा अर्चना और विशेष अनुष्ठान हुए। तोरपा मेन रोड स्थित महावीर मंदिर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पूजा अर्चना के बाद सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। दोपहर में भजन कीर्तन हुआ। रामभजन में श्रद्धालु घंटो झूमते रहे। शाम में महा आरती हुई। आरती के बाद प्रसाद के रूप में लडडू व खीर का वितरण किया गया। एकल अभियान की ओर से राम उत्सव का आयोजन किया गया। एकल अभियान की बहनों के बीच प्रतियोगिता हुई। इसमें गांव गांव से आयी बहनों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में दुर्गा वाहिनी प्रथम, निचीतपुर द्वितीय व मातृशक्ति को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगीता बहन, एकल अभियान के माधव चंद्र साहू, विहिप के एमपी सिंह, कृष्णा भगत, अमित जायसवाल, प्रितम कुमार, उमेश मांझी, सीमा देवी, अमृता देवी आदि उपस्थित थे। इधर तोरपा के अलावा तपकरा, अम्मापकना, सोनपुरगढ, कुमांग में भजन कीर्तन का आयोजन हुआ।

जिला परिषद सदस्य ने बांटे कंबल और स्वेटर

पिठौरिया : पिठौरिया क्षेत्र के पीरुटोला ग्राम में बुधवार को जिला परिषद सदस्य हिना परवीन के द्वारा सैकड़ो गरीब और जरूरतमंदों के बीच के कंबल और स्वेटर वितरण किया गया। इस अवसर पर जिप सदस्य हिना परवीन ने बताया कि वह अब तक इस कड़ाके की ठंड में अपने निजी कोष से लगभग 2500 कंबल और 1000 स्वेटर का वितरण कर चुकी है और यह वितरण कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेसी नेता जमील अख्तर इचापीडी पंचायत के उप मुखिया मोहम्मद गुफरान, मुस्ताक आलम, तबरेज अंसारी ,तौफीक अंसारी, अबू सुफियान अंसारी, असलम अंसारी, रहमान अंसारी आजाद अंसारी मजीदन खातून अफजल अंसारी, देवी चरण लोहार के साथ सैकड़ो लोग मौजूद थे।

एचईसी प्रबंधन कर्मियों के हित में नहीं लिया निर्णय तो होगा उग्र आंदोलन : रमाशंकर

रांची : एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर ने कहा है कि हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) में सप्लाई कर्मियों से संबंधित टेंडर प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं होने से सैकड़ों मजदूरों का भविष्य अधर में लटक गया है। इसके लिए प्रबंधन जिम्मेदार है।

रमाशंकर ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में एचईसी मजदूर कर्मियों की इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर एचईसी प्रबंधन, विशेषकर निदेशक जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि समय रहते जरूरी निर्णय नहीं लिए गए, तो आनेवाले समय में संघ उग्र आंदोलन करेगा।

उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया लंबित रहने का सीधा असर वर्करों पर पड़ा है। उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। प्रबंधन न तो कर्मियों का वेतन भुगतान कर रहा है और न ही काम देना चाहता है। प्रसाद ने कहा कि प्रबंधन ने टेंडर में जानबूझकर देरी की है, ताकि जिम्मेदार अधिकारी अपनी प्रशासनिक नाकामी छिपा सकें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को मोहरा बनाकर आंदोलन की स्थिति पैदा की जा रही है, जिससे असली जिम्मेदारी मजदूरों पर डाली जा सके।

सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि साल के अंतिम दिन भी सप्लाई कर्मियों को वेतन नहीं मिल पाया, जिससे वर्करों में भारी मायूसी और आक्रोश है। उन्होंने कहा कि मजदूर कर्मियों के रोजगार और वेतन पर संकट के चलते वे आंदोलन को विवश हैं।

रांची क्लब में गुलाब प्रदर्शनी 11 जनवरी को

रांची : रांची क्लब में 11 जनवरी से द रोज सोसाइटी गुलाब प्रदर्शनी लगाएगी। इसमें सात वर्गों के 75 खंडों में गुलाब से जुड़ी सैकड़ों कलाकृतियों को प्रदर्शित किए जाएगा। छोटे बगानों के लिए पृथक वर्गों का प्रावधान रखा गया है। विद्यार्थियों के लिए भी गुलाब सज्जा के अलग खंड रहेंगे। व्यक्तिगत व संस्थागत गुलाब पुष्पों व गमलों में लगे गुलाब पौधों के साथ कागज, वस्त्र, कांच, चीनी मिट्टी, साड़ी, टेबल क्लॉथ पर बनी कलाकृतियां रहेंगी। वहीं गुलाब चित्र, मोम, वस्त्र व कागज से बने गुलाब शिल्प, गुलाब कशीदाकारी, गुलाब छाया चित्रों का भी प्रदर्शन रहेगा। प्रदर्शनी का अवलोकन रविवार को दोपहर 12:30 से शाम छह बजे तक कर सकेंगे।

खैवा बंदारू जलप्रपात को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर उप प्रमुख ने उपायुक्त को सौंपा आवेदन

संवाददाता

चतरा : लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के कटिया पंचायत स्थित प्रसिद्ध खैवा बंदारू जलप्रपात को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने को लेकर लावालौंग उप प्रमुख महमूद खान ने चतरा उपायुक्त को आवेदन सौंपा है।आवेदन के माध्यम से उन्होंने जलप्रपात क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक निर्माण कार्य कराने की मांग की है।महमूद खान ने उपायुक्त को अवगत कराते हुए कहा कि खैवा बंदारू जलप्रपात जिले के रमणीय और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में से एक है।यहां की मनमोहक प्राकृतिक छटा,हरी-भरी पहाड़ियां, घने जंगल और कल-कल करती जलधारा दूर-दराज से आने वाले सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती है।खासकर पत्थरों पर बनी प्राकृतिक नक्काशी और चट्टानों के बीच से गिरता झरना इस स्थल की प्रमुख पहचान है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में जलप्रपात तक पहुंचने के लिए समुचित सड़क,पैदल पथ, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।बारिश के मौसम में आवागमन और भी कठिन हो जाता है,जिससे पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।यदि यहां तक पहुंचने के लिए सड़क,सीढ़ियां,रेलिंग, विश्राम स्थल,शौचालय और सौंदर्यीकरण से जुड़े कुछ निर्माण कार्य करा दिए जाएं,तो यह स्थान जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है।उप प्रमुख ने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।इससे जिले की पहचान भी राज्य स्तर पर और अधिक सशक्त होगी।इस दौरान महमूद खान ने खैवा बंदारू जलप्रपात की एक सुंदर तस्वीर भी उपायुक्त को भेंट की,ताकि वे इस स्थल की प्राकृतिक सुंदरता को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक पहल करेगा।

द प्रेस क्लब चतरा की ओर से नव वर्ष पर मिलन समारोह सह वन भोज का किया आयोजन

संवाददाता

चतरा : द प्रेस क्लब चतरा की ओर से नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मिलन समारोह सह वन भोज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चतरा के शहीद विनय भारती पार्क स्थित पर्यटन स्थल में आयोजित हुआ। जहां जिले भर के पत्रकार बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के बीच आपसी सौहार्द, एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। नए वर्ष के स्वागत के साथ-साथ पत्रकारिता की चुनौतियों, जिम्मेदारियों और समाज में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की गई। समारोह के दौरान वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा किए और युवा पत्रकारों को निष्पक्ष और जनहित की पत्रकारिता करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि प्रेस समाज का दर्पण है और पत्रकारों का कर्तव्य है कि वे बिना दबाव, बिना भय और निष्पक्षता के साथ जनता की आवाज बने इस अवसर पर मीडिया की स्वतंत्रता, ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं की रिपोर्टिंग तथा विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। वन भोज कार्यक्रम में सभी पत्रकारों ने मिलकर सामूहिक रूप से भोजन किया और एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में आपसी भाईचारे और संगठन में नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल संचालन में अध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष परमानन्द आर्य, सचिव जितेन्द्र तिवारी, संरक्षक ठाकुर धीरेंद्र प्रशाद ठाकुर, नौशाद आलम, दीनबंधु, सरफराज आलम, चंद्रेश शर्मा, प्रवीण रस्तोगी, सतेंद्र मित्तल, सूर्यकांत कमल, नवीन पांडे, संजय कुमार, प्रदीप कुमार, अभिमन्यु सिंह, अभिमन्यु यादव, मो तस्लीम,जफर परवेज, चेतन पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, राजीव श्रीवास्तव, रवि कुमार, अमित सिंह, रितिक, मो लकी, गौतम सिंह, रूपेश सिंह, सोनू कुमार, अमित गुप्ता सहित काफी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम में पत्रकार चंद्रेश शर्मा व कलाकार विकास दा ने गीत और संगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी।इसका आनंद सभी पत्रकार साथियों ने लिया। कभी अलविदा ना कहना गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

साल की विदाई पर अनोखी पहल

पिकनिक नहीं, गरीबों को ठंड से बचाकर 'योर हेल्पर टीम' ने मनाया

संवाददाता

चतरा : प्रतापपुर प्रखंड क्षेत्र में सक्रिय समाजिक संस्था 'योर हेल्पर टीम' ने बुधवार को साल के अंतिम दिन को यादगार बनाते हुए एक सराहनीय पहल की। टीम ने टंडवा पंचायत के शंकपुर गाँव में वनभोज का आयोजन किया, जिसमें जश्न के साथ-साथ सेवाभाव भी देखने को मिला। इस दौरान कड़ाके की ठंड को देखते हुए टीम द्वारा 50 जरूरतमंद व असहाय लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। ?आयोजन में 100 से अधिक लोगों ने शिरकत की और वनभोज में बने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर 'योर हेल्पर टीम' के अध्यक्ष अजित कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि उनकी टीम का मुख्य उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज के वंचित, गरीब और असहाय लोगों की मदद करना है। उन्होंने बताया कि टीम लगातार बाल विवाह की रोकथाम और नशामुक्ति के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। साल की विदाई पर यह आयोजन आपसी भाईचारे और सेवा का प्रतीक बना।?इस मौके पर मुख्य रूप से नीरज कुमार पासवान, मंटू कुमार प्रजापति, अजित गुप्ता और अनुज कुमार चंद्रवंशी सहित टीम के कई अन्य सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

बाबा आम्रेश्वर धाम में श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई

खूंटी : बाबा आम्रेश्वर धाम में श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के शुभ अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह मंदिर के पुजारी एवं बाबा आम्रेश्वर धाम के सभी पुजारियों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन से की गई।

पूजन के उपरांत श्रद्धापूर्वक श्री रामचरित मानस का पाठ किया गया, जिसके बाद सुंदर कांड का पाठ संपन्न हुआ। इसके पश्चात हवन का आयोजन किया गया और भोग आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। आरती के बाद मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

संध्या काल में पूरे श्री रामजानकी मंदिर को दीपकों से आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरा धाम भक्तिमय और आलोकित वातावरण से सराबोर हो उठा। दीपों की रोशनी में मंदिर की छटा देखते ही बन रही थी।

इस पावन अवसर पर समिति के सदस्य सर्वश्री संतोष पोद्दार, महेंद्र प्रसाद भगत, मिथलेश ठाकुर, नरेंद्र दास अधिकारी, नीरज जायसवाल, रोबिन भगत, अजित रॉय, आशुतोष सिंह, प्रदीप साहू, दिनेश महतो, अजय प्रसाद, सौरव दुबे, सुधीर राम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारों के साथ आयोजन को स्मरणीय बना दिया।

बिजली तारों की चोरी, विभाग को लाखों का नुकसान

रनिया : थाना क्षेत्र के जीबिलोंग गांव में अज्ञात चोरों ने विद्युत पोल में लगे 11 हजार और 33 हजार वोल्ट के तारों की चोरी कर ली। यह घटना बुधवार 31 दिसंबर की रात की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जिन विद्युत पोल से तारों की चोरी की गई है, उन पर वर्षों से बिजली आपूर्ति बंद थी। चोरों ने लोहे और सीमेंट के लगभग 20 विद्युत पोल से तार काटकर पिछले कई दिनों से चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इस दौरान कई सीमेंट पोल को तोड़कर भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

बुधवार की शाम जीबिलोंग गांव के नजदीक कटे हुए तार जमीन पर बिखरे पड़े मिले, जिससे चोरी की जानकारी सामने आई। तार चोरी की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग तोरपा के सहायक अभियंता आनंद कुमार कच्छप मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई विद्युत पोल से तार गायब पाए गए, जिससे चोरी की पुष्टि हुई।

लगातार हो रही तार चोरी की घटनाओं से विद्युत विभाग को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि कामडरा फीडर से मुरहू तक लोहे के पोल के माध्यम से बिजली आपूर्ति की योजना थी, लेकिन किसी कारणवश अब तक बिजली सप्लाई चालू नहीं हो सकी थी। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने तारों की चोरी कर ली।

फिलहाल मामले की सूचना संबंधित थाना को दे दी गई है और चोरों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन में शामिल साइकिल चालकों ने 300 किलोमीटर की दूरी तय की

संवाददाता

रांची : वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का चौथा दिन साइकिल चालकों की अडिग भावना और अटूट संकल्प का एक सशक्त प्रमाण बनकर सामने आया। ह्रशौर्य के कदम, क्रांति की ओरह्व जैसे प्रेरणादायी विषय से मार्गदर्शित यह दिन साहस और दृढ़ता का प्रतीक रहा। बराचट्टी में उचित विश्राम के उपरांत दल को कैप्टन आर. बी. शर्मा (सेवानिवृत्त) द्वारा विधिवत सी-ऑफ किया गया। उन्होंने इस पुनीत उद्देश्य के लिए कठिन मौसम परिस्थितियों का सामना करते हुए अनुशासन, साहस और जज्बे के साथ आगे बढ़ने पर साइकिल चालकों की सराहना की। मार्ग पर घना और भारी कोहरा छाया रहा, जिसने दृश्यता और सहनशक्ति की कड़ी परीक्षा ली। इसके बावजूद साइकिल चालक बिना विचलित हुए नए उत्साह और अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहे।

सभी प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करते हुए दल ने 75 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर औरंगाबाद में अगले निर्धारित पड़ाव पर पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के साथ साइक्लोथॉन ने रांची से प्रारंभ होकर अब तक लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ली है, जो स्मरण, संकल्प और राष्ट्रीय गौरव से परिपूर्ण इस यात्रा का एक प्रेरणादायी मील का पत्थर है। बिहार का औरंगाबाद जिला प्राचीन मगध क्षेत्र का हिस्सा है, जो प्रारंभिक भारतीय सभ्यता के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक रहा है। मगध, मौर्य और गुप्त साम्राज्यों जैसी शक्तिशाली राजवंशों के प्रभाव में यह क्षेत्र भारत की राजनीतिक और सांस्कृतिक विरासत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। सोन नदी के समीप स्थित औरंगाबाद आज भी कृषि और व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है।

औरंगाबाद साइकिल चालकों के लिए एक योग्य विश्राम स्थल के रूप में कार्य करेगा, जहाँ वे विश्राम के साथ-साथ ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन करेंगे और स्थानीय समुदाय के साथ सक्रिय संवाद करेंगे। इन संवादों के माध्यम से दल झारखंड के गौरव, महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी वीर बिरसा मुंडा के सर्वोच्च बलिदान, साहस और अमर विरासत के प्रति जन-जागरूकता फैलाएगा। औरंगाबाद पहुँचने पर साइक्लोथॉन दल का डॉ. बहादुर भीम कुमार सिंह, उप-प्राचार्य, सचिदानंद सिन्हा कॉलेज, कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक, कमांडिंग ऑफिसर, 13 बिहार बटालियन एनसीसी, तथा बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स और नागरिकों द्वारा गर्मजोशी और उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। जनसामान्य के प्रबल समर्थन ने इस अभियान के महत्व को और सुदृढ़ किया तथा साइकिल चालकों का मनोबल उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया। नववर्ष के स्वागत के पश्चात यह यात्रा 02 जनवरी 2026 को नई दिल्ली की ओर पुनः आरंभ होगी, जिसमें अगला पड़ाव सासाराम होगा। प्रत्येक पैडल स्ट्रोक के साथ साइकिल चालक साहस, एकता और देशभक्ति के आदर्शों का सम्मान करते हुए वीर बिरसा मुंडा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और अनगिनत लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

रांची में नव वर्ष 2026 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ शुरू

संवाददाता

रांचीः रांची में नव वर्ष 2026 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया, जहाँ शहर और आसपास के पर्यटन तथा पिकनिक स्थलों में परिवारों और युवा समूहों की भारी भीड़ देखी गई।

शहर का उत्साहः 31 दिसंबर की रात से ही रांची में नए साल का उत्साह चरम पर रहा है। बाजार, पार्क, मनोरंजन स्थल और ींडेश१-ी२ पर लोगों का जमघट लगा रहा।

पिकनिक और पर्यटन स्थलों पर भीड़ः स्थानीय झरनों, पार्कों व प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉटों में सुबह से ही सैलानियों का ताँता लगा रहा। परिवार-समूह और युवक-युवतियां पिकनिक का आनंद लेने के लिए इन स्थानों पर पहुंचे।

भव्य जश्न और पार्टीः नगर के होटलों तथा क्लबों में डीजे, लाइव बैंड, बेली डांस और मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया गया। विशेष आयोजन होटल रेडिसन ब्लू, मैरियट, और अन्य ओपन वेन्यू पर भी हुए।

सुरक्षा व्यवस्थाः शहर प्रशासन एवं पुलिस ने नव वर्ष और पिकनिक स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस अधिकारियों ने पुलिस चौकियों, बांधों, जलप्रपातों, पार्कों और प्रमुख पिकनिक स्थलों पर निगरानी रखी ताकि भीड़-भाड़ में कोई अप्रिय घटना न हो। नियम और चेतावनीः प्रशासन ने जलाशयों और पर्यटन स्थलों पर नियमों का पालन करने तथा शराब के नशे में वाहन न चलाने की कड़ी चेतावनी जारी की। पिकनिक और पार्टी के दौरान सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया।

ग्रामीण पर्यटन भी आकर्षण का केंद्रः पांडू पुडिंग, हुंडरू, दशम और जोन्हा जैसे प्राकृतिक क्षेत्र भी लोगों की पसंद बन गए, जहाँ सुबह से ही लोग पिकनिक मनाते और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते दिखे।

नए साल के जश्न में रांचीवासियों ने परिवार एवं मित्रों के साथ मिलकर स्वागत किया, जहाँ पिकनिक, संगीत, नृत्य और स्वादिष्ट व्यंजनों ने सबका मनोबल बढ़ाया।

नव वर्ष 2026 से पहले रांची के पार्क होंगे साफ और सुंदर

रांची। नव वर्ष 2026 को देखते हुए रांची नगर निगम शहर को साफ, सुरक्षित और सुंदर बनाने में जुट गया है। आज नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने शहर के कई पार्कों का निरीक्षण किया। उन्होंने डोरंडा के श्री कृष्ण सिंह पार्क, हरमू के सरदार पटेल पार्क और कचहरी के जयपाल सिंह मुंडा पार्क का दौरा किया। इस दौरान पार्कों की सफाई, लाइट, शौचालय, हरियाली और लोगों के लिए बनी सुविधाओं को देखा। प्रशासक सुशांत गौरव ने कहा कि नए साल पर लोग अपने परिवार और बच्चों के साथ पार्कों में अच्छा समय बिता सकें, इसके लिए नगर निगम पूरी कोशिश कर रहा है। सभी पार्क साफ, सुरक्षित और अच्छे बने रहें, यही निगम का लक्ष्य है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि हर पार्क में डस्टबिन जरूर हों और लोग कूड़ा वहीं डालें। पार्कों में रोजाना अच्छी सफाई हो। शौचालय साफ और चालू हालत में रहें। जरूरत वाले स्थानों पर पेंटिंग और रंग-रोगन किया जाए। पार्कों की सभी लाइटें ठीक रखी जाए। पेड़ों की टूटी और लटकी डालियां काटी जाएं और बागवानी सुधारी जाए। जरूरी मरम्मत का काम समय पर पूरा किया जाए। निरीक्षण में यह भी देखा गया कि पार्कों और आसपास की दीवारों पर पोस्टर और विज्ञापन लगे हैं। इससे शहर की सुंदरता खराब हो रही है। इस पर प्रशासक ने ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई और जुमार्ना लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे।

वेंकटेश्वर मंदिर में सहस्त्रनाम अर्चना कर भक्त हुए निहाल

संवाददाता

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में धनुर्मास पर्यन्त वैकुण्ठ एकादशी महोत्सव पर चार दिवसीय सहस्त्रनाम अर्चना अनुष्ठान के तीसरे दिन भी श्रद्धालुओं ने बढ़ -चढ़कर सहभागिता निभायी। भगवान के अलौकिक दर्शन का आनंद और सहस्त्रनाम मंत्रों के मधुर स्वर को सुन भक्त मुग्ध हो रहे थे। आज भी सैंकड़ों भक्तों ने परिवार समूह के साथ सहस्त्रार्चन (लक्षा अर्चना) में भाग लिया । सबों ने अपने मनोभिलाषित के लिए मंगल प्रार्थना किया ।

जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने भक्तों से कहा कि आज वर्ष के अंतिम दिवस 31 दिसंबर की विदाई अपने अंदर की बुराईयों के त्याग के साथ करना है और नए वर्ष का शुभारम्भ भगवान के मंगल प्रार्थना से करना है ।

हर दिन हमारे लिए नया दिन है। काल बहुत तीव्र गति से निकल रहा है। काल का रूप भगवान का ही रूप है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है - ह्य मैं ही काल हूं और संसार का नाश मैं ही करता हूं। काल भगवान हमको सावधान करते हैं। काल का अर्थात समय का सदुपयोग करो । भगवान की सेवा में, आराधना में और भजन में समय लगाओ। किसी से भी बात करो तो यह भाव रखो कि हम भगवान से ही बात कर रहे हैं। बात करते समय किसी तरह का आवेश या उद्वेग नहीं आना चाहिए। धनुर्मास सत्व और गुण युक्त काल है। हम भगवान के हैं , इसीलिए भगवान के कुछ सदगुण हम में भी होने चाहिए। स्वामीजी के साथ गोविंद दास जी महाराज भी उपस्थित थे । मंदिर संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया, आकाश साहू, सुशीला कुमारी, अर्जुन लांजेकर, अमित सरावगी, मृत्युंजय सिंह, पृथ्वी नाथ सिंह, राहुल राम नारसरिया, ऋषिकेश, मदन, सुशील लोहिया, आशीष अग्रवाल , अनीश अग्रवाल, विकास शर्मा, सुकुमार सेठी आदि की भूमिका रही ।

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी विदाई

संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय में बुधवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिसंबर, 2025 में मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 11 कर्मियों को विदाई दी गई। इसके साथ ही, सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ससम्मान विदा किया गया।

समारोह के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, भावनाएं एवं स्मृतियां साझा कीं।

मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों में डॉ. अंजुला निशि मिंज, राजीव रंजन सिंह, रुपेश प्रसाद सिंह, शंभु शरण शाह, डॉ. राज किशोर सिंह, नवनीत झा, विजय नारायण राम, पनामा कुजुर, सीमा सहाय एवं दशरथ उरांव शामिल हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित रहे।

उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके जीवन की अगली पारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सीसीएल परिवार के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का विषय है कि आप सभी ने पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने सेवाकाल को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। संगठन के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और योगदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह भी कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत भी आप अपने बहुमूल्य अनुभव और ज्ञान का उपयोग समाज के उत्थान एवं जनकल्याण के कार्यों में करें तथा जीवन के आगामी चरण में धन एवं संसाधनों का विवेकपूर्ण और जिम्मेदार प्रबंधन करते हुए एक सकारात्मक एवं संतुलित जीवन व्यतीत करें।

समारोह में विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

लेखक देवेश के दो उपन्यासों का हुआ लोकार्पण

रांची। जिला स्कूल मैदान में चल रहे पुस्तक मेले में बुधवार को युवा लेखक देवेश के दो उपन्यासों का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि सांसद महुआ माजी और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार महादेव टोप्पो ने संयुक्त रूप से औपन्यासिक कृतियों ह्यब्लैक प्रिंसह्ल और ह्यअनोखा बंधनह्ल का विमोचन किया। आरयू हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जेबी पांडेय और वरिष्ठ लेखक अशोक प्रियदर्शी उपस्थित रहे। पुस्तकों के प्रति घटते रुझान पर चिंता कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने स्वाध्याय पर विचार साझा किए। वक्ताओं ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में लोगों का झुकाव मोबाइल फोन की ओर बढ़ा है और लोग सीरियल व फिल्मों की दुनिया में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि मेले में रोचक कहानियों और महिलाओं के विषयों पर केंद्रित बेहतरीन पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिनका लाभ पाठकों को उठाना चाहिए। संवाद और सृजन यात्रा लोकार्पण के उपरांत ह्यलेखक और संवादह्ल कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय लेखिका रश्मि ने अपनी सृजन यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी सत्र में ह्यमीडिया और साहित्यह्ल विषय पर भी चर्चा हुई, जिसमें स्थानीय लेखकों और नागरिकों ने अपनी राय रखी। मेले में पुस्तकों का विशाल संग्रह पुस्तक मेले के विभिन्न स्टॉलों पर मोहन राकेश का ह्यरचना संसारह्ल, उनकी प्रिय कहानियां, संपूर्ण नाटक व डायरी के अलावा जे. कृष्णमूर्ति की ह्यसीखने की चाहह्ल और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की चर्चित पुस्तकें उपलब्ध हैं। साथ ही बेनजीर भुट्टो की आत्मकथा और सामाजिक, राजनीतिक व इतिहास पर केंद्रित देशी-विदेशी इतिहासकारों की दुर्लभ पुस्तकें पाठकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

सीयूजे के प्राध्यापकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को प्रोन्नति और सेवा सम्पुष्टि पत्र मिला

रांची। सीयूजे में बुधवार को 23 प्राध्यापकों को प्रोन्नति और 65 प्राध्यापकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सेवा सम्पुष्टि पत्र दिया गया। कुलपति, प्रो. क्षिति भूषण दास और कुलसचिव के कोसला राव ने सभी को पत्र दिए। इस अवसर पर कुलपति ने साल 2025 के अंत और नए वर्ष के उपलक्ष्य में सभी को प्रोन्नति और सेवा सम्पुष्टि पत्र मिलने पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने सभी से विश्वविद्यालय और राज्य की बेहतरी और आगे बढ़ाने की बात कही। कुलसचिव ने भी सभी को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया।

प्राध्यापकों को तीन अलग-अलग स्तर पर प्रोन्नति दी गई है। दो प्राध्यापकों को सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) (लेवल 10 से लेवल 11), सहायक प्राध्यापक से सह प्राध्यापक (एसोसिएट प्रोफेसर) (लेवल 12 से 13ए) में 20 प्राध्यापकों को एवं सह प्राध्यापक से प्रोफेसर (लेवल 13ए से लेवल 14) पर 01 प्राध्यापक को मिली प्रोन्नति। इसके साथ सेवा सम्पुष्टि पत्र भी 05 प्रोफेसरों, 07 एसोसिएट प्रोफेसरों एवं 24 असिस्टेंट प्रोफेसरों को दिया गया। 29 शिक्षेत्तर कर्मचारियों को भी उनकी सेवा पुष्टि पत्र दिया गया। इस अवसर सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षेत्तर कर्मचारियों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, वित्त अधिकारी पीके पंडा, परीक्षा नियंत्रक डॉ बी बी मिश्रा, सभी प्रोन्नत एवं सेवा पुष्ट प्राध्यापक एवं शिक्षेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

आश्रम में दिव्यांग निराश्रितों को कराया गया भोजन

मानव प्रभु की सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं : संजय सर्राफ

रांची। पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में बुधवार को शोभा पोद्दार के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 42 दिव्यांग निराश्रितों एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वालों के बीच विभिन्न व्यंजनों के साथ अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी खिलाया गया। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 6 से 31 दिसंबर तक 26 दिनों में 5225 निराश्रितों एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में-अनिल सिन्हा,रिया पूजन, सुनील कुमार गुप्ता, रमेश वर्मा, स्नेहा श्रीवास्तव, खुशबू कुमारी, भास्कर भारती, मंजुला चौधरी, कमल खेतावत,सिमरन गुप्ता, कविता गाड़ोदिया,रंजीत गाड़ोदिया,सुनील कुमार पांडे,श्री कृष्ण प्रणामी महिला समिति, सुजीत कुमार सोनी,रामदेव प्रसाद गुप्ता,अमित मुरारका, विमला जालान,रानी दास, अशोक पाड़िया,निर्मल छावनिका,नरेंद्र कुमार,सोनल अग्रवाल, सुशील गाड़ोदिया, प्रमेश कुमार तिवारी,आशा अग्रवाल,संदीप लिंबू,मीरा अडूकिया,राधा कुमारी,के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया, विष्णु सोनी, सहित अन्य उपस्थित थे।

बकाया नहीं चुकाने पर रांची नगर निगम की सख्त कार्रवाई, दो दुकानें सील

संवाददाता

रांची। नगर निगम ने लंबे समय से बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। निगम क्षेत्र में दो दुकानों को बकाया नहीं चुकाने के कारण सील कर दिया गया।

पहला मामला चरखा मंदिर बाई लेन, कचहरी रोड का है। यहां निगम द्वारा आवंटित दुकान के अनुज्ञप्तिधारी चंदन कुमार और विनय कुमार पर 2 लाख 37 हजार 372 रुपए का बकाया था। निगम ने चार बार भुगतान के लिए नोटिस दिया, लेकिन राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद दुकान खाली करने का नोटिस जारी किया गया और अंततः बकाया नहीं मिलने पर दुकान को सील कर दिया गया।

दूसरा मामला अपर बाजार स्थित मारवाड़ी टोला पुस्तक पथ का है। यहां के अनुज्ञप्तिधारी बंशी राम पर 99 हजार 911 रुपये का बकाया था। निगम द्वारा तीन बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद दुकान खाली करने का नोटिस जारी हुआ और अंत में दुकान सील कर दी गई। नगर निगम ने सभी अनुज्ञप्तिधारियों से अपील की है कि वे समय पर अपनी बकाया राशि जमा करें। ऐसा नहीं करने पर निगम को आवंटित भूमि या दुकान को सील करने की कार्रवाई करनी पड़ेगी।

खाटू नरेश को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया

रांचीः श्री श्याम मंडल ने अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में बुधवार को खाटू नरेश श्याम बाबा को चांदन द्वादशी पर संध्या 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया । आज के भोग के मुख्य यजमान बन्नू ठक्कर ने श्याम बाबा को खीर चूरमा का भोग अर्पित किए । सर्व प्रथम मंडलके ज्ञान प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका ठक्कर परिवार द्वारा गणेश पूजन कर मंदिर में विराजे वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी पूजन कर विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान अर्पित कर श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमे का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर हारे के सहारे की जय - लखदातार की जय जयकारों के गूंज उठा । 550 से ज्यादा भक्तजनों प्रसाद प्राप्त किया। साथ ही अयोध्या राम लल्ला मन्दिर के स्थापना दिवस पर पूरे मंदिर में घी के दीपक प्रज्वलित कर पूरे मंदिर को दीपक से सजाया गया तथा पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम के नाम से गूंज उठा। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विकाश पाड़िया, प्रदीप अग्रवाल, प्रियांश पोद्दार, संजय सारस्वत, अजय साबू, प्रमोद बगड़िया, महेश सारस्वत, अमित जलान का सहयोग रहा।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉंची

अल्पकालिन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–14/2025-26/EE/BCD/DIV-2,RANCHI.दिनांक–01.01.2026

1.	कार्य का नाम	Extension of Dissection Hall, Histology Hall and Construction of Cadaveric Skill Lab. At Anatomy Department at RIMS, Ranchi.
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	राशि रू0 3,02,83,665.00/- (तीन करोड़ दो लाख तिरासी हजार छः सौ पैंसठ) रूपये मात्र।
3.	कार्य पूर्ण की अवधि	9 (नौ) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	10.01.2026 को 11:00 बजे
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	21.01.2026 को 11:00 बजे तक
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉंची।
7.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	22.01.2026 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, झारखण्ड, रॉंची
7.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676
8.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	7902430721

9.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
•अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhand tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग,
PR 369766 (Building)25-26*D भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉंची।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, रॉंची
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–61/2025–26

1. विभाग का नाम :–पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, रॉंची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एव स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 15.01.2026 को अपराहन 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 16.01.2026 को अपराहन 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 16.01.2026 को अपराहन 3.30 बजे।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,रॉंची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, रॉंची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Emergent repair work of the approach road from the Water Treatment Plant (W.T.P.) to the Intake W ell at Gonda Dam, under , D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	22,85,772.00	46,000.00	5000.00	15 दिन
2.	Seepage repair and renovation of Intake well (Pump House), Fencing and other miscellaneous Work at Gonda Water Supply Scheme Under D.W&S Division Gonda Ranchi.	20,98,533.00	42,000.00	5000.00	15 दिन
3	Emergent work for Interconnection 350mm to 500mm by MS pipe & its fittings and Others Miscellaneous Wok at Ratu Road and Piska More Water Supply pipe Line Under D.W.&S. Division Gonda Ranchi	17,47,330.00	35,000.00	5000.00	15 दिन
4	Replacement of Deteriorate FRP Plate for Lamella Clarifier Tank No- 03 and 04 and its allied Work at WTP Gonda Under D.W.&S Division Gonda Ranchi.	23,53,911.00	47,000.00	5000.00	1 माह

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
PR.NO.369813 Drinking Water and Sanitation(25-26):D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, रॉंची

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 33/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,रॉंची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :– दिनांक 07.01.26 को 3.00 बजे तक। विकास भवन, रॉंची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान :– दिनांक 08.01.26 को 3.00 बजे अपराहन तक जिला नियंत्रण कक्ष, रॉंची।
4. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक 08.01.26 को 3.30 बजे अपराहन।
5. कार्य का विवरण।

क्र0 स0/ग्रुप स0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र संयंत्र का स्वामित्व
1		2	4	5	6	7	8
1	बुण्डू	Computer Lab at Scheduled Tribe Residential Middle School, Amanburu Bundu, Ranchi, (Jh.)	49,99,000.00	1,00,000/-	5000/-	5 माह	कार्य के अनुरूप

Note ; कार्य अनुभव प्रमाण पत्र अन्तिम 3 वर्ष का Affidavite के साथ ।

PR.NO.369797 NREP(25-26):D कार्यपालक अभियंता एन0आर0ई0पी0 – 1, रॉंची

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मानवता के मुखौटे में छिपा एजेंडाः लंदन के खालिस्तानी समर्थक और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार

आज वैश्विक मंच पर कुछ ऐसे समूह सक्रिय हैं जो स्वयं को मानवाधिकारों का ठेकेदार और उत्पीड़ितों की आवाज बताने में पीछे नहीं रहते। लंदन, टोरंटो और यूरोप के कई शहरों में सक्रिय खालिस्तानी समर्थक इसी श्रेणी में आते हैं। ये लोग भारत में कथित अल्पसंख्यक अत्याचारों के नाम पर प्रदर्शन करते हैं, नारे लगाते हैं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं लेकिन यही लोग जब बांग्लादेश, पाकिस्तान या अन्य इस्लामी देशों में हिन्दुओं पर हो रहे संगठित अत्याचारों, नरसंहार, बलात्कार और मंदिर विध्वंस की घटनाओं का सामना करते हैं तो उनकी तथाकथित मानवता अचानक मौन धारण कर लेती है। यह मौन सामान्य नहीं है। यह चयनित संवेदना (री'ी३५ी ड४३१ी) का परिणाम है, जो किसी नैतिक मूल्य से नहीं उपजा है, यह एक सुनियोजित राजनीतिक एजेंडे से संचालित है। कई बार स्थिति इससे भी आगे बढ़ जाती है, जब बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध के बजाय ये समूह ह्लजय बांग्लादेशह्व जैसे नारे लगाते दिखाई देते हैं। यह आचरण स्पष्ट करता है कि इनके लिए मानवाधिकार सार्वभौमिक मूल्य नहीं बल्कि राजनीतिक औजार मात्र है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि लंदन और पश्चिमी देशों में सक्रिय अधिकांश खालिस्तान समर्थक संगठन मानवीय चिंता के लिए खड़े न होकर भारत-विरोधी नैरेटिव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से खड़े किए गए हैं। इनमें से अनेक लोग अवैध प्रवासी हैं, कुछ स्थानीय वेलफेयर योजनाओं पर निर्भर हैं और कुछ का संबंध छोटे आपराधिक गिरोहों, ड्रग मनी, हवाला और धन-शोधन नेटवर्क से जुड़ा रहा है। जब आर्थिक आधार ही संदिग्ध और अंधेरे स्त्रोतों से आता हो, तब विचारधारा और राजनीतिक रुख भी उसी दिशा में ढल जाता है। ऐसे में इनकी राजनीति को ह्लमानवाधिकार आंदोलनह्व कहना सत्य का अपमान होगा। यह वस्तुतः फंडिंग आधारित, एजेंडा चालित और भारत-विरोधी राजनीति है। इस पूरे तंत्र के पीछे गहरा और खतरनाक गठजोड़ काम करता है, जिसे कई सुरक्षा विश्लेषणों में आईएसआई-खालिस्तानी-इस्लामिस्ट गठजोड़ के रूप में चिन्हित किया गया है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ह्यआईएसआईह्ल लंबे समय से भारत को ह्लहजार घावों से कमजोर करनेह्व की रणनीति पर काम करती रही है। इसी रणनीति के अंतर्गत खालिस्तानी अलगाववादियों को वित्तीय सहायता, प्रचार संसाधन और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराए जाते हैं। लंदन और यूरोप में सक्रिय कुछ इस्लामी कट्टरपंथी नेटवर्क और संगठन इन्हें लॉजिस्टिक सहायता देते हैं। इन सभी का साझा उद्देश्य एक ही है- भारत को वैश्विक मंच पर बदनाम करना और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक एकता पर प्रश्नचिह्न लगाना। ऐसे गठबंधन के लिए बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार कोई मुद्दा नहीं बनते क्योंकि वे इनके ह्लविक्टिम बनाम पर्पट्रेटरह्व नैरेटिव में फिट नहीं बैठते। इनके वैचारिक ढांचे में मुसलमान सदैव पीड़ित और भारत अथवा हिन्दू समाज सदैव उत्पीड़क के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यदि ये लोग बांग्लादेश में हिन्दू लड़कियों पर हो रहे अत्याचार, परिवारों के कत्लेआम और मंदिर विध्वंस की निंदा करेंगे तो यह पूरा झूठा नैरेटिव ध्वस्त हो जाएगा और इनके इस्लामी सहयोगी उनसे दूरी बना लेंगे। यही कारण है कि जब बांग्लादेश में हिन्दुओं के गाँव जलाए जाते हैं, महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार होता है और सैकड़ों परिवार पलायन को मजबूर होते हैं तब ये तथाकथित मानवाधिकार रक्षक चुप रहते हैं। यह चुप्पी उनकी सच्चाई उजागर करती है। उनके लिए मानवाधिकार नहीं बल्कि राजनीतिक गठबंधन और फंडिंग अधिक महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों जैसे रडअर लंदन, हार्वर्ड और टोरंटो विश्वविद्यालयों में वर्षों से लेफ्ट-इस्लामिस्ट-खालिस्तानी गठजोड़ सक्रिय देखा जा सकता है। इनके सेमिनार, शोधपत्र और अभियानों का केंद्रीय विचार यही होता है कि ह्लभारत एक दमनकारी राष्ट्र है, मुसलमान हमेशा पीड़ित हैं और खालिस्तानी अलगाववादी उनके स्वाभाविक सहयोगी हैं।ह्व इस वैचारिक पूर्वाग्रह के कारण बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार इनके लिए असुविधाजनक सत्य बन जाते हैं। इसलिए या तो इन घटनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाता है या फिर इन पर बोलने वालों को ह्लदक्षिणपंथीह्व और ह्लनफरत फैलाने वालाह्व बताकर चुप कराने की कोशिश की जाती है। लंदन की सड़कों पर ह्लजय बांग्लादेशह्व के नारे लगाना इसी नैरेटिव हाइजैकिंग का हिस्सा है। इसका उद्देश्य पीड़ित हिन्दू परिवारों की पीड़ा को दबाकर भारत-विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाना है। यह व्यवहार बताता है कि इनकी राजनीति नैतिकता, करुणा या मानवता पर आधारित नहीं है, बल्कि धन, गठबंधन और भारत-विरोधी सोच पर टिकी हुई है। ऐसे में हम सभी को स्पष्ट रूप से समझना होगा कि लंदन और अन्य पश्चिमी देशों में सक्रिय खालिस्तानी समर्थकों की गतिविधियाँ किसी स्वतःस्फूर्त जनआंदोलन का परिणाम नहीं हैं। यह एक सुनियोजित, फंडेड और राजनीतिक रूप से इंजीनियर किया गया प्रयास है, जिसमें मानवता केवल मुखौटा है। वास्तविक उद्देश्य भारत को बदनाम करना, उसकी सामाजिक एकता को कमजोर करना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसके विरुद्ध वातावरण बनाना है। अतः इन परिस्?थि?तियों में भारत और विश्व के विवेकशील नागरिकों का दायित्व है कि वे मानवाधिकार के नाम पर चल रहे इस पाखंड को पहचानें और सच्चे पीड़ितों विशेषकर बांग्लादेश और पाकिस्तान में उत्पीड़ित हिन्दुओं की आवाज को मजबूती से उठाएँ।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

चिनाब पर भारत का निर्णायक कदम, पाकिस्तान में मचा राजनीतिक भूचाल

भारत ने एकतरफा तरीके से सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है, जो न तो कानूनी है और न ही नैतिक रूप से स्वीकार्य। पाकिस्तान की आपत्ति केवल दुलहस्ती परियोजना तक सीमित नहीं है। शेरी रहमान ने भारत द्वारा चिनाब घाटी में संचालित या प्रस्तावित कई अन्य परियोजनाओं को भी विवादास्पद करार दिया।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दक्षिण एशिया की राजनीति में आज जल, प्राकृतिक संसाधन से अधिक रणनीति, संप्रभुता और सुरक्षा का अहम हथियार बन चुका है। चिनाब नदी पर भारत द्वारा उठाया गया ताजा कदम इसी बदले हुए भू-राजनीतिक यथार्थ का सशक्त उदाहरण है। दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण को जैसे ही भारत सरकार की पर्यावरणीय समिति से मंजूरी मिली, इस फैसले की गूंज सरहद पार पाकिस्तान तक सुनाई देने लगी। वहां की राजनीति में खलबली मच गई, आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए और एक बार फिर सिंधु जल समझौता चर्चा के केंद्र में आ गया है। भारत के लिए यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय हित का सवाल है, जबकि पाकिस्तान इसे अपने अस्तित्व और जल अधिकारों से जोड़कर देख रहा है। भारत सरकार की पर्यावरण विभाग की विशेषज्ञ समिति ने 27 दिसम्?बर को जम्मू-कश्मीर स्थित दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के स्टेज-2 को औपचारिक स्वीकृति प्रदान की है। वस्?तुतः यह मंजूरी मिलते ही पाकिस्तान की सियासत में बेचैनी साफ दिखाई देने लगी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की वरिष्ठ सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शेरी रहमान ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत पर ह्लपानी को हथियार बनानेह्व का संगीन आरोप लगाया। उनके अनुसार, यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा है और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की भावना के विरुद्ध है। शेरी रहमान का दावा है कि साल 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुए इस समझौते के तहत पाकिस्तान को चिनाब, झेलम और सिंधु नदियों के जल पर अधिकार प्राप्त हैं, जबकि भारत को रावी, ब्यास और सतलुज नदियों का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। रहमान का आरोप है कि भारत ने एकतरफा तरीके से सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है, जो न तो कानूनी है और न ही नैतिक रूप से स्वीकार्य। पाकिस्तान की आपत्ति केवल दुलहस्ती परियोजना तक सीमित नहीं है। शेरी रहमान ने भारत द्वारा चिनाब घाटी में संचालित या प्रस्तावित कई अन्य परियोजनाओं को भी विवादास्पद करार दिया। उन्होंने सावलकोट, रेटल, बड़सर, पाकल डुल, क्वार, कीरू और किरथाई जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भारत सुनियोजित ढंग से इन सभी पर काम तेज कर रहा है। पाकिस्तान का तर्क है कि इन परियोजनाओं के कारण भविष्य में उसके हिस्से के पानी में कटौती हो सकती है, जिससे उसकी कृषि, खाद्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। दूसरी ओर भारत का दृष्टिकोण इससे एकदम अलग और स्पष्ट है। भारत बार-बार यह दोहराता रहा है कि सिंधु जल समझौते में उसे पश्चिमी नदियों पर वैध अधिकार प्राप्?त हैं। भारत इन नदियों पर रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाएं स्थापित कर सकता है। दुलहस्ती परियोजना इसी श्रेणी में आती है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण से अधिक स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम को हालिया सुरक्षा परिदृश्य से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसी वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने भारत-पाक संबंधों में पहले से मौजूद तनाव को और गहरा कर दिया। इस हमले में 22 निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या कर दी गई थी। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में पाकिस्तानी आतंकवादियों की संलिप्तता सामने आने के बाद भारत सरकार ने बेहद सख्त रुख अपनाया। इसके बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का फैसला लिया और पाकिस्तान के साथ जल प्रवाह से जुड़ी तकनीकी जानकारियां साझा करना बंद कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस संदर्भ में कई बार दो टूक शब्दों में कह चुके हैं कि ह्लपानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।ह्व यह कथन अब केवल राजनीतिक बयान नहीं माना जाना चाहिए, यह भारत की नई रणनीतिक सोच का प्रतीक बन चुका है। भारत का मानना है कि जब तक पाकिस्तान अपनी धरती से संचालित आतंकवाद पर ठोस और निर्णायक कार्रवाई नहीं करता, तब तक किसी भी प्रकार के सहयोग या संवाद का आधार नहीं बन सकता। इसके साथ एक तथ्य यह भी है कि दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत लगभग 260 मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन की योजना है। इससे जम्मू-कश्मीर में ऊर्जा उपलब्धता को मजबूती मिलेगी और देश की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही स्थानीय विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे को भी गति देने वाली है। इसके साथ ही भारत सरकार चिनाब नदी पर प्रस्तावित सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को लेकर भी गंभीर तैयारी कर रही है। करीब 1856 मेगावाट क्षमता वाली यह परियोजना पूरी होने पर उत्तरी भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में शुमार होगी। भारत का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि जम्मू-कश्मीर जैसे पर्वतीय क्षेत्र जलविद्युत की अपार संभावनाओं से भरे हुए हैं और इनका उपयोग राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के लिए किया जाना चाहिए। अंततः चिनाब नदी पर भारत का यह कदम तकनीकी या ऊर्जा परियोजना भर नहीं है, यह बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों का संकेतक है। पाकिस्तान की बौखलाहट और आरोपों के बावजूद भारत यह संदेश देने में सफल रहा है कि अब राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास और संप्रभु अधिकारों पर कोई समझौता नहीं होगा। फिलहाल मोदी सरकार अपने कहे पर अडिग नजर आ रही है। निश्?चित ही इस निर्णय से प्रत्?येक भारतवासी अपनी सरकार पर गौरव महसूस कर सकता है।

सनातन संस्कृति, भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध रचे जा रहे झूठे विमर्श

आज भी वही मानसिकता कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थानों में दिखाई देती है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे समाचार पत्रों में हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विषय में प्रकाशित लेख इसका उदाहरण हैं। ऐसे लेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ को समझते हैं और न ही संघ की वैचारिक, सामाजिक और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को।

प्रहलाद सबनानी

भारत आज केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। पश्चिमी देशों का एकछत्र वर्चस्व अब चुनौती के दौर से गुजर रहा है और भारत स्पष्ट रूप से इस परिवर्तन की अगुवाई करता दिखाई देता है। यही कारण है कि कुछ पश्चिमी देश और उनके प्रभाव में काम करने वाले संस्थान भारत, सनातन हिन्दू संस्कृति और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विरुद्ध निराधार, तथ्यहीन और पूर्वाग्रह पूर्ण विमर्श गढ़ने में लगे हैं। दरअसल, पश्चिमी दृष्टिकोण की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि वे आधी-अधूरी जानकारी को सम्पूर्ण सत्य मान लेते हैं। इतिहास इसका साक्षी है। आक्रांताओं और अंग्रेजों के शासनकाल में भी सनातन हिन्दू संस्कृति को रूढ़िवादी, अवैज्ञानिक और पिछड़ा सिद्ध करने का प्रयास किया गया, परंतु समय ने यह प्रमाणित कर दिया कि वे सभी धारणाएँ गलत थीं। आज योग, आयुर्वेद, ध्यान, पर्यावरण संतुलन और जीवन मूल्यों पर आधारित भारतीय परंपराएँ विज्ञान की कसौटी पर खरा उतर रही हैं।

आज भी वही मानसिकता कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थानों में दिखाई देती है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे समाचार पत्रों में हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विषय में प्रकाशित लेख इसका उदाहरण हैं। ऐसे लेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ को समझते हैं और न ही संघ की वैचारिक, सामाजिक और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को। तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्त्रोतों के अभाव में लिखे गए ये लेख केवल पूर्वाग्रहों पर आधारित होते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी। प्रारंभ से ही संघ ने देशभर में शाखाओं के माध्यम से युवाओं

में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और अनुशासन का भाव जागृत किया। साल 1947 तक आते-आते संघ के स्वयंसेवकों की एक सशक्त टोली राष्ट्रसेवा के लिए तैयार थी। जब साल 1947 में पाकिस्तानी सेना ने कबाइलियों के भेष में कश्मीर पर आक्रमण किया, तब बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के संघ के स्वयंसेवकों ने सीमा पर चौकसी रखी और भारतीय सेना के साथ मिलकर मातृभूमि की रक्षा में प्राणों का बलिदान दिया। विभाजन के समय हुए भयानक दंगों में पाकिस्तान से आए लाखों हिन्दू शरणार्थियों के लिए संघ ने भारत भर में 3,000 से अधिक राहत शिविर लगाए। भोजन, आवास, चिकित्सा और पुनर्वास की व्यवस्था कर संघ ने मानवता और राष्ट्रधर्म का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। कश्मीर के भारत में विलय के समय उत्पन्न संकट में भी संघ की ऐतिहासिक भूमिका रही। महाराजा हरि सिंह के हस्ताक्षर के बिना भारत सरकार निर्णय लेने में असमर्थ थी। ऐसे समय में सरदार वल्लभ भाई पटेल के आग्रह पर सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी कश्मीर गए और महाराजा को भारत में विलय के लिए सहमत किया। इस प्रकार संघ ने कश्मीर को पूर्ण रूप से पाकिस्तान के कब्जे में जाने से बचाने में निर्णायक योगदान दिया।

दादरा-नगर हवेली और गोवा मुक्ति आंदोलन में भी संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रणी भूमिका निभाई। साल 1954 में दादरा-नगर हवेली को पुर्तगालियों से मुक्त कर भारत में विलय कराया गया। गोवा के संदर्भ में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सशस्त्र कार्रवाई के पक्ष में नहीं थे, तब साल 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने आंदोलन प्रारंभ किया। अनेक कार्यकताओं को कारावास झेलना पड़ा, पर साल 1961 में अंततः गोवा को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

1962 के चीन युद्ध और 1965 के भारत-पाक युद्ध में संघ के स्वयंसेवकों ने सेना और प्रशासन की हरसंभव सहायता की। रसद, यातायात नियंत्रण, हवाई पट्टियों की सफाई, घायलों के लिए रक्तदान और शहीद परिवारों की देखभाल, हर क्षेत्र में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ सेवा की। साल 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण स्वयं प्रधानमंत्री नेहरू ने दिया था, जो संघ की भूमिका की आधिकारिक स्वीकृति थी। संघ ने आपदा और युद्ध के समय ही नहीं बल्कि शिक्षा, श्रम और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी राष्ट्र निर्माण का कार्य किया है। विद्या भारती, एकल विद्यालय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, भारतीय मजदूर संघ और सेवा भारती जैसे संगठन करोड़ों लोगों के जीवन को दिशा दे रहे हैं। विद्या भारती आज हजारों विद्यालयों के माध्यम से लाखों छात्रों को शिक्षा और संस्कार प्रदान कर रही है। भारतीय मजदूर संघ ने श्रमिक आंदोलनों को संघर्ष के बजाय निर्माण की दिशा दी और आज विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है।

सेवा भारती देश के दुर्गम और वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का कार्य कर रही है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से अनाथ हुए मुस्लिम और हिन्दू बच्चों को गोद लेकर संघ ने यह सिद्ध किया है कि उसकी सेवा का आधार मानवता है, न कि किसी प्रकार का भेदभाव।

इतिहास के महापुरुषों ने भी संघ के कार्यों को सराहा है। महात्मा गांधी ने संघ के शिविर में अनुशासन और सामाजिक समरसता को देखा, वहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर भी संघ के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से परिचित थे। अतः यह आवश्यक है कि भारतवासी सनातन संस्कृति, भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में तथ्यपूर्ण और प्रामाणिक जानकारी रखें। तभी हम बाहरी शक्तियों द्वारा गढ़े जा रहे झूठे विमर्शों को प्रभावी ढंग से ध्वस्त कर सकेंगे और विश्व के सामने भारत की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत कर पाएँगे।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

बांके बिहारी में भारी भीड़

नए साल की बेहतरीन शुरूआत करने के लिए लोग धार्मिक स्थलों पर जरुर घूमने जाते हैं। इस बीच कई लोग नववर्ष को अच्छे से मनाने के लिए मथुरा-वृंदावन जरुर जाते हैं। नया साल आने में बस कुछ समय शेष बचा है। ऐसे में अभी से मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। इन दिनों श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। साल के आखिरी दिनों में और नए साल से पहले वृंदावन में दर्शन करने वालों की संख्या अचानक बढ़ गई है। जिसको लेकर प्रशासन ने भक्तों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी खासकर बुजुर्गो, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि अधिक भीड़ में धक्का-मुक्की और अव्यवस्या की आशंका रहती है। इस बीच, प्रशासन ने लोगों से अनुरोध किया है कि नववर्ष के अवसर पर बिना जरूरत यात्रा न करें और दर्शन की योजना कुछ समय के लिए टाल दें। यह सुरक्षा संबंधी सलाह साल के आखिरी दिनों और नए साल की

शुरूआत तक प्रभावी रहेगी। यदि आप इस अवधि में जाने का मन बना रहे हैं, तो बेहतर होगा हालात सामान्य होने का इंतजार करें और उसके बाद ही दर्शन के लिए प्रस्थान करें।

श्री बांके बिहारी मंदिर में जारी की एडवाइजरी

मंदिर प्रशासन ने 29 दिसंबर से 5 जनवरी तक श्रद्धालुओं से श्री बांके बिहारी मंदिर न आने की अपील की है। हर साल नए साल पर बिहारी जी के दर्शन के लिए लाखों भक्त वृंदावन जरुर जाते हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए भीड़ और बढ़ने की आशंका है। इसलिए प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि केवल बहुत जरुरी होने पर ही मंदिर आएं।

मथुरा पुलिस ने भक्तों से की अपील

मथुरा पुलिस ने नए साल पर आने वाले भक्तों से अपील की है कि प्रतिदिन करीब 4 से 5 लाख श्रद्धालु वृंदावन पहुंच रहे हैं, ऐसे में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को भक्तों की संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है, लेकिन आपको नए साल के बाद यहां आना चाहिए।

टिप्स

फिट होने पर भी हो सकता है फैटी लिवर

ज्यादातर लोग मानते हैं कि फैटी लिवर सिर्फ मोटापे या खराब लाइफस्टाइल वाले लोगों को होता है। लेकिन सच्चाई यह है कि कई बार बिल्कुल फिट दिखने वाले लोग भी फैटी लिवर का शिकार बन जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो पतले या सामान्य वजन वाले लोगों में भी नॉन-ओबेस फैटी लिवर काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि ऐसे लोग इस समस्या को पहचान नहीं पाते हैं। जिस कारण यह बीमारी धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है।

फिट दिखना अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं

सबसे बड़ी वजह यह है कि फिट दिखना हमेशा अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं होता है। कुछ लोग बाहर से दुबले-पतले दिखाई देते हैं, लेकिन उनके शरीर में विजरल फैट का मात्रा ज्यादा होती है। यह छिपा हुआ फैट लिवर में जाकर ट्राइग्लिसराइड्स जमा करता है। फिर धीरे-धीरे यह फैटी लिवर का रूप ले लेता है। इसके अलावा असंतुलित खानपान, नींद की कमी, जेनेटिक फैक्टर, कम प्रोटीन और उच्च कार्ब डाइट, हल्की-फुल्की शारीरिक एक्टिविटी और बार-बार बाहर के खाने की भी प्रमुख भूमिका होचती है।
में फ्राइड फूड, शुगर और प्रोसेस्ड आइटम्स शामिल होता है। जोकि लिवर पर सीधा असर डालती है। वहीं पतले लोगों में एल्कोहल सेवन भी फैटी लिवर का आम कारण है। भले ही शरीर फिट दिखे, लेकिन नियमित शराब का सेवन लिवर में फैट जमा करती है और सूजन बढ़ाकर फाइब्रोसिस का खतरा बढ़ाती है। इस तरह से इंसुलिन रेसिस्टेंस, थायरॉयड असंतुलन और पीसीओएस जैसी स्थिति दुबले-पतले लोगों में फैटी लिवर की वजह बन सकती है। सबसे पहले हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट और अल्ट्रासाउंड करवाना चाहिए। फिर चाहे वह कितना भी हेल्दी और फिट क्यों न दिखता हो। साथ ही डाइट में शुगर युक्त पेय, रिफाइंड कार्ब्स, जंक फूड और डीप फ्राइड स्नैक्स का कम रखें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों की अब खैर नहीं, गिरिडीह पुलिस की सख्त चेतावनी

संवाददाता

गिरिडीहः नया साल प्रवेश कर चुका है और सभी अपने-अपने तरीके से खुशियां बांटने में जुटे हैं। कइयों ने पिकनिक की तैयारी की है। पिकनिक स्थलों पर पहुंचने लगे हैं। वहीं, शराब के कई शौकीनों ने भी भरपूर तैयारी कर रखी है। कई ने पिकनिक स्थलों पर जाकर शराब की चुस्कियों लेने के लिए बोतल की खरीदारी कर ली है। लेकिन इस बार पुलिस ने सार्वजनिक स्थल, पिकनिक स्पॉट पर शराब का सेवन करने वालों से सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। इसे लेकर जिले के एसपी डॉ बिमल कुमार ने सख्त आदेश भी अपने अधीनस्थ अधिकारियों को दिया है।

पिकनिक स्पॉट पर जगह-जगह जांच

एसपी के आदेश के बाद महत्वपूर्ण पिकनिक स्थानों पर बैनर टांगा गया है, जिसमें साफ तौर पर शराब लेकर नहीं आने और इसका सेवन नहीं करने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय पुलिस पदाधिकारी के द्वारा जांच की जा रही है। वहीं, ब्रेथ एनालाइजर का भी उपयोग किया जा रहा है।

ढाबों की भी जांच

पुलिस ने ढाबों पर भी विशेष नजर रखी है। 31 दिसंबर - एक जनवरी की रात 12 बजे के बाद एसपी खुद ही नेशनल हाइवे के कई ढाबों पर पहुंचे और दुकानदारों को निर्देश देते हुए जांच की। जांच के बाद ईटीवी भारत से विशेष बातचीत में एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि पिकनिक स्पॉट खासकर खंडोली और वाटरफॉल में पर्याप्त संख्या में बलों को प्रतिनियुक्त किया गया, जिसमें महिला पुलिस बल भी शामिल हैं।

इसके साथ-साथ इन दोनों स्थानों पर समिति के सदस्य की भी तैनाती की गई है। झरना के पास चेतावनी का बोर्ड लगाया गया है। जगह-जगह पुलिस पदाधिकारी के नंबर को डिस्प्ले किया गया है। पिकनिक स्पॉट पर शराब लेकर लोग नहीं जा सके तो इसके लिए चेकिंग पॉइंट बनाया गया है। जहां पदाधिकारी के साथ जवान की तैनाती की गई है।

सुरक्षित रहेंगे लोग

एसपी ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब नहीं पीने से रेस ड्राइविंग कम होगी, दुर्घटना की संभावना भी घटेगी। उन्होंने कहा कि सभी एसडीपीओ, इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी को सख्त निर्देश दिया गया है। साथ ही कहा गया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले लोगों, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले लोगों पर कार्रवाई करें ताकि आमलोगों का जीवन सुरक्षित रहे।

डीजे की भी एंट्री नहीं

इधर, पिकनिक स्पॉट पर डीजे की एंट्री पर भी रोक लगा दी गई है। जगह-जगह चेतावनी का बोर्ड भी लगाया गया है। पदाधिकारी साफ कहते हैं कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर यह कदम उठाया गया है।

भारतीय रेल के अग्रणी प्रदर्शनकारी मंडलों में अपना स्थान बनाया है : रेल प्रबंधक

संवाददाता

साहिबगंजः इन दोनों मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन कार्तिक सिंह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा के पर्यवेक्षण में पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने टिकट जांच के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने टिकट जांच से प्राप्त आय में 116 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए भारतीय रेल के अग्रणी प्रदर्शनकारी मंडलों में अपना स्थान बनाया है। वित्तीय वर्ष 2024झ्र25 में मालदा मंडल की टिकट जांच से आय ?4।10 करोड़ रही जो की वित्तीय वर्ष 2025 26 अप्रैल नवंबर 2025 के दौरान बढ़कर ?9।00 करोड़ तक पहुँच गई। इस अवधि में बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा के कुल 1,30,860 मामले पकड़े गए, जो मंडल में निरंतर, सुदृढ़ और अनुशासित टिकट जांच अभियानों की

प्रभावशीलता को दशार्ता है। मंडल द्वारा मालदा टाउन, न्यू फरक्का, जंगीपुर रोड, बरहरवा, साहिबगंज, राजमहल, कहलगांव, सुल्तानगंज भागलपुर, जमालपुर एवं मुंगेर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर टिकट जांच किया गया।

संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना राजनीति का मूंल उद्देश्य :ओझा

संवाददाता

साहिबगंजःदेश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बुधवार को साहिबगंज शहर के बैंक्वेट हॉल में राजमहल विधानसभा अनर्गत अटल स्मृति सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम में गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।जबकि राजमहल के पूर्व विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अनंत ओझा विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री और कार्यक्रम संयोजक गौतम यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह ने प्रस्तुत किया।सम्मेलन में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी एवं बमबम मंडल ने भी अपने विचार रखे।मंच पर पूर्व जिला अध्यक्ष रामदरश यादव,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार एवं नगर अध्यक्ष

विनोद चौधरी उपस्थित रहे।इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल सभी वरिष्ठ कार्यकताओं व अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल के भाव के साथ अपना संपूर्ण जीवन देशसेवा में समर्पित किया।उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में ग्रामीण सड़कों से लेकर फोरलेन हाइवे तक आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों के कारण भारत ने सामाजिक आर्थिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त पहचान बनाई है।श्री ओझा ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और जनसेवा को राजनीति का मूल उद्देश्य बताया। उनके विचारों का उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।मुख्य वक्ता अमित मंडल ने कहा कि ह्यभारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश को विकास की नई दिशा दी।स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी ऐतिहासिक योजनाओं से सड़क,संचार एवं आधारभूत संरचना को गति मिली।पोखरण परमाणु परीक्षण के माध्यम से उन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।उनकी सुशासन नीति ने लोकतंत्र को मजबूती और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा,विकास और प्रेरणा का अमर अध्याय है।सम्मेलन में पार्टी के जिला पदाधिकारी सभी वर्तमान निवर्तमान एवम पूर्व मंडल अध्यक्ष निवर्तमान मंडल अध्यक्ष बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री के आगमन को लेकर सीएस ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंजःजिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है।राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ।इरफान अंसारी आगामी प्रस्तावित साहिबगंज दौरे को लेकर सदर अस्पताल के सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ।रामदेव पासवान ने की।बैठक में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ।देवेश यादव, डॉ।रणविजय, डॉ।पूनम भारती,डॉ।मुकेश कुमार सहित अस्पताल के सभी चिकित्सक,नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।बैठक के दौरान मंत्री के आगमन से पूर्व स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों,विधि-व्यवस्था,मरीजों

की सुविधा,स्वच्छता,सुरक्षा व्यवस्था एवं अस्पताल संचालन को सुचारु बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।साथ ही मंत्री के दौरे को सफल बनाने हेतु कई अहम प्रस्तावों पर सहमति बनी।अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि मंत्री के आगमन के दौरान अस्पताल में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो,इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ समय रहते पूरी कर ली जाएँगी।

हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अन्तर्गत मंडाई स्थित एक मोटर गैरेज से पुलिस ने बुधवार को 75 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद किया है।मृतक की पहचान बेगमपुरा निवासी कैला पहाड़िया के रूप में हुआ है।मृतक के दामाद ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग की है।मिली जानकारी अनुसार मंडई स्थित विजय सिंह के गैरेज में मृतक पिछले दो सालों से नाइट गार्ड का काम करता था।परिजनों ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 09:30 बजे मृतक कैला पहाड़िया घर से ड्यूटी करने निकल था।बुधवार की सुबह जब वह घर नहीं पहुंचा तो उनका पोता कृष्णा पहाड़िया उसे खोजने गैरेज गया।वहां उसने देखा कि उसके दादा नीचे जमीन पर पड़ा है।और उसकी मौत हो गई है।कृष्णा पहाड़िया ने तुरंत ग्रामीणों और

घरवालों घटना की जानकारी दी।सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने राजमहल पुलिस को घटना की जानकारी दी।सूचना मिलते ही राजमहल थाना प्रभारी दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और कार्यवाही शुरू की।फिर एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी,पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन,तीनपहाड़ थाना प्रभारी और राधानगर थाना प्रभारी भी घटना स्थल पर पहुंचे।पुलिस ने कैला पहाड़िया के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।फिलहाल घटना को लेकर पुलिस जांच में जुटी है।मृतक अपने पीछे पत्नी मैसी पहाडीन 4 बेटा और एक बेटी छोड़ गए है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोडरमा के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

हुड़दंगियों और शराबियों पर पुलिस की रहेगी विशेष नजर

संवाददाता

कोडरमाः जिले के तिलैया डैम समेत अन्य पर्यटक स्थलों में सैलानियों की भीड़ उमड़ने लगी है। साल 2025 की विदाई और नए साल के स्वागत के जश्न को लेकर जिले के तमाम पर्यटन स्थल पर्यटक और सैलानियों से गुलजार होने लगे हैं। वहीं पिकनिक स्पॉट पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने भी फूल प्रूफ प्लान तैयार किए हैं

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

सैर सपाटे के साथ-साथ लोग पिकनिक मनाने और घूमने-फिरने के लिए कोडरमा पहुंच रहे हैं।

जिले के तमाम पिकनिक स्पॉट पर आज और कल सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पिकनिक स्पॉट के आसपास चिन्हित स्थानों पर दंडाधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस बल तैनात रहेंगे। इसके साथ ही पिकनिक स्पॉट जाने वाले रास्तों में जगह-जगह चेकिंग पॉइंट भी बनाए गए हैं, जहां शराब और मादक पदार्थों की गहन जांच की जाएगी।

गोताखोरों की विशेष टीम तैनात

इसके अलावे सादे लिबास में पुलिस पिकनिक स्पॉट पर भ्रमनशील रहेगी, ताकि हर तरह की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। तिलैया डैम और पंचखेरो डैम पहुचने वाले पर्यटकों के लिए गोताखोरों की विशेष टीम को तैनात की गई है। इसके अलावे बिना लाइफ जैकेट किसी को बोटिंग की अनुमति नहीं दी जा रही है। जिले के उपायुक्त ऋतुराज और एसपी अनुदीप सिंह ने जिले वासियों को नववर्ष की बधाई देते हुए शांतिपूर्ण ढंग से नए साल का जश्न और पिकनिक मनाने की अपील की है।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत , परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना पुलिस हिरासत में एक 22 वर्षीय युवक की बुधवार देर रात संदिग्ध मौत हो गई। मृतक की पहचान गोकुलनगर निवासी जीत महतो के रूप में हुई है। युवक की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनो का आरोप है कि चोरी के एक मोबाइल फोन की जांच के नाम पर पुलिस ने जीत महतो को हिरासत में लेकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, रविवार को पुलिस बिना किसी नोटिस या औपचारिक जानकारी के जीत को उसके घर से उठा कर ले गई थी। आरोप था कि उसने 500 रुपये में एक मोबाइल फोन खरीदा था, जो चोरी का निकला। हालांकि परिजनों का कहना है कि जीत को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि मोबाइल चोरी का है। परिवार ने यह भी बताया कि युवक उस समय बीमार था और ठीक से चल भी नहीं पा रहा था, इसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी, इसके बावजूद उसे हिरासत में ले लिया गया। परिजनों के मुताबिक, जीत महतो करीब 48 घंटे तक पुलिस हिरासत में रहा और इस दौरान उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। मंगलवार दोपहर करीब सवा तीन बजे पुलिस ने उसे एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल पहुंचने के बाद ही परिजनों को सूचना दी गई, लेकिन जब तक वे वहां पहुंचे, डॉक्टरों ने जीत को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर फैलते ही अस्पताल परिसर में परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में जुट गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। वहीं पुलिस ने मारपीट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। थाना प्रभारी सचिन दास का कहना है कि चोरी के मोबाइल की खरीद-फरोख्त से जुड़े मामले में जीत महतो को पूछताछ के लिए लाया गया था। पूछताछ के दौरान ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

पदमा पंचायत में हिंदू एकता मंच के कार्यकर्ताओं को विधायक ने किया प्रोत्साहित

मेदिनीनगर : पलामू जिले के मनातू प्रखंड के पदमा पंचायत में हिंदू एकता मंच के बैनर तले एक सम्मान समारोह कर बुधनडीह गांव सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सामाजिक रूप से जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पांकी क्षेत्र के विधायक डॉ। शशिभूषण मेहता ने हिंदू एकता मंच के पदाधिकारियों और ग्रामीणों को फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और सामाजिक कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक ने समारोह में कहा कि हिंदू धर्म के प्रति समर्पित संगठन केवल धर्म की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि समाज के हित में अनेक सकारात्मक और रचनात्मक कार्य भी करते हैं।

सभी को अपने धर्म पर गर्व होना चाहिए और उसकी उन्नति व संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। अपने धर्म के रीति-रिवाज और संस्कार हमारी पहचान हैं। इन्हें भूलना अपने मूल से दूर होना है। शिक्षा, संस्कार और सामाजिक मूल्य हमें धर्म से ही प्राप्त होते हैं। इन मूल्यों को समाज तक पहुंचाने में ऐसे संगठनों की अहम भूमिका होती है। विधायक ने कहा कि हिंदू धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है, जो अनंत काल से मानवता को दिशा देता आ रहा है। हिंदू होने पर केवल गर्व व्यक्त करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि अपने आचरण और कार्यों से भी इसे साबित करना चाहिए। पलामू प्रमंडलीय तैलिक साहू महासभा के अध्यक्ष रामदास साहू ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में कहा कि सनातन संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। इसके प्रति हरेक स्तर पर आम लोगों की जानकारी को समृद्ध करने की आवश्यकता है। इसी के भारत देश और इसके समस्त निवासियों का कल्याण और विकास निहित है। सनातन समाज सभी के सुखी होने और सभी के निरोग रहने की कल्पना करना है। आयुर्विज्ञान भी सभी को निरोग रखने का प्रयास करता है। इस प्राचीनतम संस्कृति के बारे में ज्ञान को समृद्ध बनाने की जरूरत है। मनातू विधायक प्रतिनिधि उदेश यादव, मनातू भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव, सांसद प्रतिनिधि विगू साहू, समाजसेवी कमेश यादव, वीरेंद्र कुमार, अमरेश रंजन, लक्षण यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता एवं सनातन धर्मावलंबी समारोह में शामिल हुए।

सीडीएस से भारतीय सेना का लेफ्टिनेंट बना प्रियांशु

मेदिनीनगर : पलामू जिला मुख्यालय सिटी मेदिनीनगर के उपनगरीय क्षेत्र जोड़ गांव के निवासी और पेशे से अधिवक्ता सतीश मिश्रा और गृहिणी अमिता मिश्रा के सुपुत्र प्रियांशु का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कर लिया गया है। भारतीय लोक सेवा आयोग के कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज(सीडीएस)1-2025 की परीक्षा में 294 रैंक हासिल हुआ है। 23 वर्षीय प्रियांशु बचपन से ही भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना देखा करता था जिसे उसने हासिल भी कर लिया। प्रियांशु ने बताया कि चेन्नई स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में वह योगदान देकर अप्रैल-2026 से 2027 तक चलने वाले सत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

इसके पूर्व उसे सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर पद पर योगदान देने का अवसर मिला था परंतु उसका लक्ष्य भारतीय सेना था। प्रारंभिक शिक्षा मेदिनीनगर के एमके डीएवी-चियांकी से प्राप्त करने के बाद प्रियांशु ने कोडरमा जिले के तिलैया स्थित सैनिक स्कूल में 9वीं से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त की जबकि अंग्रेजी आनर्स वाराणसी के बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से हासिल किया है। प्रियांशु की इस सफलता से पूरा परिवार और परिजन गर्वान्वित हैं। सतीश मिश्रा के सीनियर और पूर्व लोक अभियोजक महेंद्र तिवारी ने प्रियांशु को सेना के सर्वोच्च पद तक पहुंचने की शुभकामनाएं दी है।

पेट्रोल पंप के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन हटाने की मांग

हरिहरगंज : पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत दलपतपुर गांव में दस दिन पहले विवाहिता बेबी देवी की हत्या मामले में नामजद अभियुक्त मृतका के सौतेले बेटे पिंटू यादव को गिरफ्तार करके बुधवार को पिपरा पुलिस ने जेल भेज दिया है। पिपरा थाना प्रभारी विमल कुमार ने बताया कि धारदार हथियार से बेबी देवी की हत्या करने के बाद मृतका के पति राजकेश्वर यादव, सौतेले बेटे पिंटू एवं अन्य परिजन फरार हो गए थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी ने पुछताछ में बताया की रोजाना लड़ाई से तंग आकर घटना को अंजाम देकर फरार हो गए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए भी छापामारी चल रहा है।

हरिहरगंज के अंतर-राज्यीय चेकपोस्ट पर बढ़ाया गया सख्ती

हरिहरगंज : नववर्ष पर्व को लेकर प्रशासन चौकस है। क्षेत्र में पुलिस गस्त भी बढ़ा दिया गया है। हरिहरगंज थाना के पास बने बुधवार को अंतरराज्यीय चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस निरीक्षक सह हरिहरगंज थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर नववर्ष पर्व को लेकर पुलिस गस्त बढ़ा दिया गया है। चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी के कारण भी वाहनों की जांच चल रही है ताकि शराब की खेप बिहार में नहीं पहुंच सके। साथ ही कहा कि नववर्ष पर को लेकर भी ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर बाइक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, शराब पीकर बाइक चलाने वाले बाइक चालकों पर रोजाना कार्रवाई भी की जा रही है।

वेलकम टू दा जंगल का शूटिंग पूरा, अक्षय ने फैंस को दिया तोहफा

निर्देशक अहमद खान की मल्टीस्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के रिलीज का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े स्टार्स फिल्म की कुछ झलकियां शेयर करते रहते हैं, लेकिन अब क्रिसमस वाइब के साथ अक्षय कुमार ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें फिल्म से जुड़ा हर शख्स दिख रहा है। क्रिसमस के मौके पर अक्षय कुमार ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और खुद अक्षय इतनी बड़ी टीम के साथ काम करते हुए काफी खुश हैं। अभिनेता ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठाया है, लेकिन यह हिंट जरूर दिया है कि फिल्म जल्द ही साल 2026 में रिलीज होने वाली है। उन्होंने क्रिसमस की बधाई देते हुए लिखा, 'वेलकम टू द जंगल की पूरी टीम की तरफ से आप सभी को क्रिसमस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! उन्होंने आगे लिखा, 'मैं कभी भी इतनी बड़ी चीज का हिस्सा नहीं रहा, हममें से कोई भी नहीं रहा।

तोहफा देने का इंतजार नहीं कर सकते

हम आपको अपना तोहफा देने का इंतजार नहीं कर सकते। काम पूरा हो गया, और टीम ने बहुत बढ़िया काम किया है। इसे सच करने में शामिल सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है। जल्द ही हम बड़े परिवार के साथ आपके घर आने वाले हैं। हमारे बड़े परिवार की तरफ से सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। वीडियो में अक्षय कुमार सहित सारे स्टार्स अलग लुक में दिख रहे हैं। किसी के हाथ में बंदूक है तो किसी के हाथ में कुल्हाड़ी। अक्षय कुमार का लुक काफी अलग है, जिसमें उन्हें सफेद दाढ़ी और लंबे बालों के साथ दिखाया गया है, जबकि सुनील शेट्टी, तुषार कपूर, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, श्रेयस तलपड़े और राजपाल यादव खाकी कपड़ों में दिख रहे हैं। वीडियो को क्रिसमस की बीट के साथ रिलीज किया है। इससे पहले परेश रावल ने फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट दिया था। उन्होंने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा था कि सेकंड शेड्यूल की शूटिंग के बाद जल्द ही फिल्म फ्लोर पर आएगी और अगले साल यानी साल 2026 में मार्च और अप्रैल के बीच फिल्म को रिलीज किया जा सकता है।

'गलवान एक सिर्फ फिल्म नहीं बल्कि इमोशन'

सलमान के साथ काम करने पर बोलीं चित्रांगदा

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स' सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अब अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार और सलमान खान के साथ आने वाली फिल्म ''बैटल ऑफ गलवान' को लेकर भी जानकारी शेयर की है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से कहा कि फिल्म में उनके किरदार में दुख है, टेंशन है, सस्पेंस है, और पावर भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जूझ रहा है, और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है। अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहां दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बदलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं। राइटर्स ने एक-एक डायलॉग को बहुत अच्छे से लिखा है, जिसने कहानी को अच्छे से आगे बढ़ाया है। 'हाउसफुल 5' और 'रात अकेली है' की शूटिंग करते वक्त अपने इमोशंस और किरदार पर पकड़ बनाने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये हो जाता है, क्योंकि सेट पर जो वाइब होती है, वह आपको किरदार में ढलने में मदद करती है और इससे परफॉर्मेंस पर भी फर्क पड़ता है। मुझे बहुत मजा आ रहा था कि एक साथ दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला। सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर अभिनेत्री ने कहा, 'गलवान' फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा करियर और बेहतर होगा। उन्होंने ये भी बताया कि वे 'गलवान' के साथ-साथ एक स्पोर्ट्स बायोपिक को भी प्रोड्यूस कर रही हैं, लेकिन फिल्म के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं Shraddha Kapoor

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल ह्यूमन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है। वह साल में सिर्फ एक या दो ही फिल्में करती है।

क्या श्रद्धा को सच में मिल रहीं कम फिल्में?

शक्ति कपूर ने यहां इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया। उनके मुताबिक, भले ही श्रद्धा कम फिल्में करती हों, लेकिन आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं। वहीं शक्ति से पूछा गया कि ऐसी खबरें आती हैं कि, श्रद्धा को उतना काम नहीं मिल रहा है तो इस पर वो हंसते हुए कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि, 'क्या सच में उसे काम नहीं मिल रहा है?

शूटिंग और मां बनने के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम 'जी रिश्तों का मेला 2025' आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो 'कुंडली भाग्य' में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। आईएएनएस से बात करते हुए श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया।'' वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, ''मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं। श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, ''जीटीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है। 'जी रिश्तों का मेला 2025' को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, ''नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ।

भारतीय फिल्म और वेब इंडस्ट्री पिछले कुछ दशकों में बहुत बदल चुकी है। खासकर महिला कलाकारों के लिए अब नए मौके खुले हैं, जो पहले शायद सिर्फ सीमित तरह के रोल तक ही सिमटकर रह जाते थे। इसी बदलाव और अपनी व्यक्तिगत यात्रा को लेकर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी यात्रा में बदलाव आए।

श्वेता त्रिपाठी ने बताए सफलता के नए मायने

श्वेता ने कहा, ''मैंने अपने करियर में ऐसे लोगों के साथ और कहानियों में काम किया है, जिन्होंने मुझे नए तरीके से सोचने और महसूस करने का मौका दिया है। मैं हमेशा रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने में भरोसा करती हूं। पहले फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अवसर और रोल सीमित होते थे। हीरोइन या महिला कलाकार का रूप और किरदार अक्सर तय ही होता था।

लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, नए क्रिएटर्स, और दर्शकों की बदलती सोच ने कहानी कहने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।'' श्वेता ने इस बदलाव में दर्शकों की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''सिर्फ कहानीकार ही बदलाव नहीं लाते, बल्कि दर्शक भी इसमें अपना अहम योगदान देते हैं। जब दर्शक इन नई कहानियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनाते हैं, किरदारों और कहानियों को पसंद करते हैं और सराहना देते हैं, तब कलाकारों को प्रयोग करने का हौसला मिलता है। आज के समय में कलाकारों के पास ज्यादा जगह है कि वे नए अनुभव लें और अपने करियर की दिशा खुद तय करें।''

अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में श्वेता ने बताया, ''इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया और आत्मविश्वास को बढ़ाया। सफलता अब सिर्फ एक ही रूप में नहीं देखी जाती। पहले यह माना जाता था कि एक कलाकार को सिर्फ बड़े नाम और बॉक्स ऑफिस हिट चाहिए। लेकिन, आज सफलता की परिभाषा बदल गई है और ये सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। जब आप अच्छा काम करते हैं और वह सराहा जाता है, तो यह आपको एक खास तरह की ताकत देता है। श्वेता ने कहा, ''करियर में अब तक के अलग-अलग किरदार और कहानियां मेरे लिए हमेशा यादगार रहे हैं। सभी किरदारों ने मुझे अलग तरह से सोचने और महसूस करने का मौका दिया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा प्रोफेशन मिला, जो मुझे नए तरीके से देखने और समझने का अवसर देता है।

सड़क हादसे के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुए एंथनी जोशुआ, दो करीबी साथियों की मौत

एजेंसी

लागोस : ब्रिटिश मुक्केबाज और दो बार के पूर्व हेवीवेट वर्ल्ड चैंपियन एंथनी जोशुआ को नाइजीरिया में हुए सड़क हादसे के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। नाइजीरियाई अधिकारियों ने बुधवार देर रात इसकी पुष्टि की। यह हादसा सोमवार को लागोस के पास हुआ, जिसमें जोशुआ के दो करीबी सहयोगी और टीम सदस्य – सीना घामी और लतीफ ह्यलैट्जह्ल अयोदेल – की मौत हो गई। घामी जोशुआ के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच थे, जबकि अयोदेल उनके ट्रेनर थे। हादसे के बाद मामूली चोटों के चलते एंथनी जोशुआ को लागोस के लैगून अस्पताल में निगरानी में रखा गया था। उनके प्रमोटर एडी हर्न की कंपनी मैचरूम बॉक्सिंग ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर है। लागोस राज्य के सूचना आयुक्त गबेंगा ओमोटोसो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बयान जारी कर कहा कि चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने के बाद जोशुआ को बुधवार दोपहर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी गई है। ओमोटोसो के अनुसार, ह्लएंथनी जोशुआ और उनकी मां बुधवार दोपहर लागोस के एक अंतिम संस्कार गृह में मौजूद थे, जहां उन्होंने अपने दोनों दिवंगत दोस्तों को अंतिम श्रद्धांजलि दी। दोनों शवों को देर शाम उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई। हादसे से कुछ घंटे पहले ही जोशुआ और अयोदेल ने सोशल मीडिया पर साथ में टेबल टेनिस खेलते हुए वीडियो साझा किया था। इससे पहले बुधवार को एडी हर्न ने हादसे में जान गंवाने वाले दोनों लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, ह्ललैट्ज और सीना, शांति से आराम करें। आपकी ऊर्जा, निष्ठा और कई बेहतरीन गुण हमेशा याद किए जाएंगे। इस कठिन समय में उनके परिवार, दोस्तों और एजे के लिए प्रार्थना करता हूं। यह दुर्घटना लागोस-इबादान एक्सप्रेसवे पर सुबह करीब 11 बजे हुई, जब जोशुआ और उनकी टीम जिस वाहन में यात्रा कर रही थी, वह सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जोशुआ को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालते हुए दर्द में कराहते देखा गया। गौरतलब है कि नाइजीरिया जोशुआ के माता-पिता का मूल देश है। इस हादसे के बाद नाइजीरिया में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंताएं बढ़ गई हैं। फेडरल रोड सेफ्टी कॉर्प्स के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में देश में 9,570 सड़क दुर्घटनाओं में 5,421 लोगों की मौत हुई, जो 2023 के मुकाबले 340 अधिक है। और करने वाली बात यह भी है कि हादसे से महज 10 दिन पहले ही एंथनी जोशुआ ने मियामी में नेटफ्लिक्स पर हुए मुकाबले में यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल को नॉकआउट किया था। इस मुकाबले को उन्होंने भविष्य में बड़े खिताबी मुकाबलों की तैयारी और फिटनेस सुधार के उद्देश्य से खेला था।

रियल मैड्रिड को झटका: घुटने की चोट के कारण किलियन एम्बाप्पे बाहर

मैड्रिड : रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे बाएं घुटने में चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। स्पेनिश क्लब ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि फ्रांस के इस सुपरस्टार को घुटने में मोच (स्प्रेन) आई है, हालांकि उनकी वापसी को लेकर कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। फ्रांस के प्रतिष्ठित खेल अखबार छह्लए०४स्री के अनुसार, एम्बाप्पे कम से कम तीन हफ्तों तक मैदान से दूर रह सकते हैं। अखबार ने किसी आधिकारिक सूत्र का हवाला नहीं दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एम्बाप्पे पिछले कई हफ्तों से घुटने के लैटरल लिगामेंट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे और बुधवार सुबह कराई गई एमआरआई जांच में ऐसी चोट (लेजन) सामने आई है, जिसके लिए इलाज और आराम जरूरी है। एम्बाप्पे इस समय शानदार फॉर्म में थे। इसी महीने की शुरुआत में उन्होंने 2025 में रियल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल दागा था, जिसके साथ ही उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक गोल करने का क्लब रिकॉर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बराबर कर लिया।

ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रॉबर्टो कार्लोस को हार्ट की समस्या, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो : ब्राजील और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार डिफेंडर रॉबर्टो कार्लोस को दिल से जुड़ी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पेन के प्रतिष्ठित खेल अखबार डियारियो एएस के अनुसार, 52 वर्षीय कार्लोस को ब्राजील में छुट्टियां मनाने के दौरान मेडिकल जांच करानी पड़ी, जिसमें उनके हृदय की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी पाई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबर्टो कार्लोस शुरूआत में पैर में छोटे रक्त के थक्के (ब्लड क्लॉट) की जांच कराने पहुंचे थे। हालांकि, जब पूरे शरीर का एमआरआई किया गया तो डॉक्टरों को पता चला कि उनका दिल ठीक से काम नहीं कर रहा है। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कर सर्जरी की गई, जिसमें हृदय में कैथेटर डाला गया। यह प्रक्रिया करीब 40 मिनट की होनी थी, लेकिन एक जटिलता के कारण सर्जरी लगभग तीन घंटे तक चली। राहत की बात यह रही कि ऑपरेशन सफल रहा। फिलहाल रॉबर्टो कार्लोस खतरे से बाहर हैं, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें अगले 48 घंटे तक अस्पताल में ही रखा जाएगा। अखबार के अनुसार, रॉबर्टो कार्लोस से संपर्क करने पर उन्होंने कहा, ह्लअब मैं ठीक हूं। रॉबर्टो कार्लोस फुटबॉल इतिहास के सबसे आक्रामक लेफ्ट बैक खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने ब्राजील के लिए 125 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और रियल मैड्रिड के साथ 11 साल तक शानदार करियर बिताया। वह 1998 फीफा वर्ल्ड कप की उपविजेता और 2002 वर्ल्ड कप जीतने वाली ब्राजील टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1997 और 1999 में कोपा अमेरिका जीता और रियल मैड्रिड के साथ तीन बार चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया।

आंग्ल नववर्ष 2026 के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा के दरबार में आस्था का सैलाब

—भगवान सूर्य देव ने अलसुबह उपस्थिति दर्ज करा दिन को खुशनुमा बनाया, मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए लम्बी कतार, गंगा उस पार रेती में मेले जैसा नजारा

एजेंसी

वाराणसी : आंग्ल नववर्ष 2026 के पहले दिन गुरूवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में श्री काशी विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा का दरबार लाखों श्रद्धालुओं से भरा रहा। अलसुबह धुंध और कोहरे को अर्दब में लेकर खिली धूप और सुहावने मौसम में युवाओं ने बाबा विश्वनाथ दरबार सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन कर जीवन में नए जोश–नई उम्मीद की शुरूआत की।

इस दौरान युवाओं और श्रद्धालुओं में बाबा विश्वनाथ, श्री संकटमोचन दरबार के प्रति आस्था गंगा की मौजों की तरह उफान मारती रही। दुगार्कुण्ड स्थित मां कुष्मांडा दरबार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित विश्वनाथ मंदिर, लक्ष्मीकुंड स्थित लक्ष्मी मंदिर, सारनाथ स्थित सारंग महादेव दरबार, रोहनिया स्थित शूलटंकेश्वर महादेव, दुगार्कुंड स्थित त्रिदेव मंदिर में युवाओं की भीड़ दर्शन पूजन के लिए भोर से ही कड़ाके की ठंड के बावजूद पहुंचने लगी। नव वर्ष के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति उफान मारती रही। मंगलवार तड़के तीन बजे हुई बाबा की मंगला आरती के पहले लाखों श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए कतारबद्ध हो गए।

दिन चढ़ने के साथ कतार का दायरा बढ़ता चला गया। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ करते रहे। मंदिर परिक्षेत्र में भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था का व्यापक प्रबंध किया है। उधर, नए साल का अलसुबह सूर्योदय की लालिमा के बीच गर्मजोशी से स्वागत के बाद युवाओं ने गंगाघाटों के साथ उस पार रेती में, सारनाथ, बीएचयू परिसर, माल्स और सार्वजनिक पार्कों में जमकर मस्ती की। युवाओं के भीड़ को देखते हुए नगर के सभी सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। सारनाथ में पुरातात्विक खंडहर परिसर, चौखंडी स्तूप, मुलगंधकुटी बौद्ध मंदिर परिसर, डियर पार्क, आशापुर चौराहा, हवेलिया चौराहा पर पुलिस कर्मी मुस्तैद नजर आये। गंगाघाटों पर लाखों की संख्या में जुटे लोगों ने नववर्ष के पहले दिन सजे–धजे बजड़ों, स्टीमर और नावों पर सवार होकर खिली धूप में नौकायन का आनन्द लिया। गंगा उस पार रेती में भी नव वर्ष मनाने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंचते रहे। गंगा की रेती पर लोगों ने बच्चों के साथ घुड़सवारी का जमकर आनन्द उठाया। शहर में आटो चालक अपने वाहनों को सजाकर गुब्बारे लगा चल रहे थे। सड़कों पर भी चूने से लिखकर नववर्ष का स्वागत किया गया।

नए साल पर जमकर बिका गुलाब और फूलों का गुलदस्ता

नववर्ष के पहले दिन गुरूवार को नगर में जगह –जगह अस्थायी फूलों, गुलदस्तों की दुकान सजी थी। इंग्लिशिया लाइन और बांसफाटक स्थित फूल बाजार में फूलों के राजा गुलाब, बुके और गेंदा को खरीदने के लिए फुटकर विक्रेताओं का आना–जाना अलसुबह से ही लगा रहा। विदेशी फूल भी युवाओं ने जमकर खरीदा और इसे उपहार के रूप में दिया। न्यू कपल्स की पहली पसंद देसी गुलाब के साथ अमेरिकी गुलाब, इसके गुलदस्ते व बुके बनी रही। मलदहिया फूलमंडी में गुलाब का फूल और बुके बेच रहे अशोक सोनकर, पप्पू सोनकर, संदीप ने बताया कि नए साल पर गुलदस्ता व बुके देने का चलन वाराणसी में है। पहले लोग नए साल पर एक फूल देकर बधाई देते थे। अब युवा गुलदस्ते खरीद रहे हैं। खासकर प्रेमी युगल पैसे की परवाह नहीं कर रहे हैं। बस उन्हें बुके पसंद आना चाहिए। यही वजह है कि नए साल पर गली–मुहल्लों में भी बुके की दुकानें सज जाती हैं और इसकी खपत भी बढ़ जाती है। संदीप बताते हैं कि कार्यालयों में भी लोग बुके देकर बधाई देते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

बिहार में भीषण ठंड और कोहरे ने किया नववर्ष 2026 का स्वागत

पटना : बिहार में नववर्ष 2026 का स्वागत भीषण ठंड और घने कोहरे के साथ हुई है। साल की पहली सुबह राज्य के अधिकांश हिस्सों में कोहरे की चादर में लिपटी रही। 31 दिसंबर की रात वर्ष 2025 की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जब कई जिलों में न्यूनतम तापमान करीब 5 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया। मौसम विज्ञान केन्द्र पटना के अनुसार, गुरुवार को उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, सीवान, पश्चिम चंपारण सहित सभी 19 जिलों में घने कोहरे के साथ कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। ठंडी और सर्द हवाओं के कारण लोगों को तेज कनकनी का सामना करना पड़ेगा। इसे देखते हुए इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण बिहार के पटना, गया, अरवल, बक्सर, जमुई सहित 19 जिलों में ठंड से आंशिक राहत मिलने की संभावना है। दिन के समय आंशिक धूप निकल सकती है, जिससे कोल्ड डे से राहत मिलेगी, हालांकि घने कोहरे का असर बना रहेगा। तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी का अनुमान है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। साप्ताहिक पूर्वानुमान के मुताबिक, शुक्रवार से ठंड और कोहरे दोनों से धीरे-धीरे राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि उत्तर बिहार के कुछ जिलों में घने कोहरे का असर बना रह सकता है। पटना, गया, जमुई, भागलपुर, मुंगेर, पूर्णिया और किशनगंज समेत अधिकांश जिलों में न तो कोहरे और न ही कोल्ड डे की कोई चेतावनी जारी की गई है। 7 जनवरी तक राज्य के अधिकतर जिलों में ठंड से राहत मिलने की संभावना है। अगले तीन दिनों के दौरान दिन और रात के तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2025 के अंतिम दिन गया जी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। पटना में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि सबसे अधिक गिरावट छपरा में देखने को मिली, जहां तापमान 5.7 डिग्री गिरकर 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। टॉप-5 सबसे सर्द रात वाले जिलों में गया जी के बाद सबौर (5.6त्से), राजगीर (5.8त्से), छपरा (6.3त्से) और औरंगाबाद (6.5त्से) शामिल हैं।

बंगाल सब एरिया में नेतृत्व परिवर्तन, मेजर जनरल डी के सिंह ने संभाली कमान

कोलकाता : बंगाल सब एरिया में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। मेजर जनरल राजेश ए मोगे ने बुधवार को औपचारिक रूप से बंगाल सब एरिया की कमान मेजर जनरल डी के सिंह को सौंप दी। इस अवसर पर आयोजित कमान हस्तांतरण समारोह को गठन की संचालनात्मक और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्गा की ओर से गुरुवार सुबह जारी बयान में बताया गया है कि मेजर जनरल राजेश ए मोगे 37 वर्षों की विशिष्ट और समर्पित सैन्य सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अपने लंबे और उत्कृष्ट करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमान और स्टाफ नियुक्तियों पर रहते हुए देश की सेवा की। सैन्य संचालन की तैयारी, प्रशिक्षण और जवानों के कल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान को भारतीय सेना में विशेष रूप से सराहा जाता है। पूर्वी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आर सी तिवारी ने मेजर जनरल राजेश ए मोगे को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यकाल और भारतीय सेना में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने उनके सेवानिवृत्त जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सेना कमांडर ने बंगाल सब एरिया की कमान संभालने पर मेजर जनरल डी के सिंह को भी बधाई दी और उनके नेतृत्व कौशल तथा पेशेवर दक्षता पर पूर्ण विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव से गठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। भारतीय सेना ने इस अवसर पर एक बार फिर यह दोहराया कि वह उच्चतम पेशेवर मानकों, नेतृत्व की निरंतरता और राष्ट्र की सेवा के प्रति अपने अटूट संकल्प के साथ कार्य करती रहेगी।

राजसमंद में पलटी कार में लगी आग, एक साल की मासूम जिंदा जली

राजसमंद : जिले में बीती रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। आमेट थाना क्षेत्र में बेकाबू कार के पलटते ही उसमें आग लग गई। हादसे में कार में सवार एक साल की मासूम बच्ची जिंदा जल गई, जबकि उसके माता-पिता, बड़ी बहन और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार रेलमगरा निवासी विकास जैन (32) अपनी पत्नी राजेश्वरी जैन, दो बेटियों धनिष्ठा (4) और प्रनिधि (1) तथा ड्राइवर कालूराम के साथ आमेट से रेलमगरा जा रहे थे। रात में आमेट थाना सर्कल में उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। पलटते ही कार में सेकेंडों में आग भड़क उठी। आमेट थाना इंचार्ज ओम सिंह चुंडावत ने बताया कि कार पलटते ही उसमें तेजी से आग लग गई, जिससे अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने साहस दिखाते हुए आग की लपटों के बीच से विकास जैन, उनकी पत्नी, बड़ी बेटी और ड्राइवर को बाहर निकाला, लेकिन एक साल की बच्ची प्रनिधि अंदर ही फंसी रह गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि परिवार कार में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिससे रेस्क्यू में करीब एक घंटा लग गया। इस दौरान कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में घायल सभी लोगों को पहले आमेट और बाद में राजसमंद के आर.के. जिला अस्पताल रेफर किया गया। राजेश्वरी जैन के पैर में फ्रैक्चर है, जबकि विकास जैन की जीभ गंभीर रूप से कट गई है। ड्राइवर कालूराम और चार वर्षीय धनिष्ठा की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

जम्मू की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक को बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंपा

जम्मू : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू जिले के गजनसू इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़े गए एक बांग्लादेशी नागरिक को जम्मू- कश्मीर पुलिस को सौंप दिया है। बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर नियमित निगरानी के दौरान उस व्यक्ति को हिरासत में लिया और बाद में उसे कनाचक पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गजनसू सीमा पुलिस चौकी के समक्ष पेश किया। पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 19 वर्षीय शरीफुल इस्लाम भुइयां पुत्र मोजिबुल हक भुइयां निवासी बांग्लादेश के कोमिला जिले के आद्रा इलाके के रूप में की है। प्रारंभिक औपचारिकता पूरी करने के बाद बीएसएफ ने उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंपा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की परिस्थितियों का पता लगाने और अन्य संबंधित विवरणों की पुष्टि करने के लिए उससे पूछताछ जारी है।

तेज रफ्तार डंपर ने पिकअप को मारी टक्कर, युवक की मौत

अमेठी : उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले कमरौली थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा लखनऊझवाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलावा के गढ़ा मोड़ के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने पिकअप वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच और आवश्यक कार्यवाही में जुटी हुई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही कमरौली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में इलाज के दौरान सुधांशु साहू (18) पुत्र मनोज साहू, निवासी उतेलवा जनपद अमेठी की मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। कमरौली थानाध्यक्ष मुकेश पटेल ने बताया की घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाते हुए हाईवे को खाली कराया। उधर मृतक युवक की लाश को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हाजिर चांदी के भाव में मामूली गिरावट, चेन्नई और हैदराबाद में चांदी अभी भी 2.50 लाख के पार

नई दिल्ली : साल 2026 के पहले दिन घरेलू सराफा बाजार में चांदी के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 1,000 रुपये से लेकर 1,400 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। कीमत में आई इस गिरावट के बावजूद चेन्नई और हैदराबाद में ये चमकीली धातु अभी भी ढाई लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर के ऊपर बनी हुई है। देश के अलग अलग सराफा बाजारों में आज चांदी 2,38,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,56,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी 2,38,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,38,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,39,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

मध्य प्रदेश में सर्दी ने तोड़े रिकार्ड, नौगांव-खजुराहो सबसे ठंडे शहर, जनवरी में और बढ़ेगी ठंड

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में इस साल की सर्दी ने मौसम के पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। नवंबर में जहां 84 साल में सबसे ज्यादा ठंड दर्ज की गई, वहीं दिसंबर में भी बीते 25 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि जनवरी महीने में भी प्रदेश को कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और शीतलहर का सामना करना पड़ेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जनवरी में तापमान और गिर सकता है और कई इलाकों में माइनस जैसी ठंड का असर महसूस होगा। नए साल की पूर्व संध्या पर भी प्रदेशभर में तेज सर्दी रही। कल्याणपुर, नौगांव और खजुराहो प्रदेश के सबसे ठंडे शहरों में शामिल रहे, हालांकि इसके बावजूद नए साल का जश्न लोगों ने पूरे उत्साह के साथ मनाया। नए साल के पहले दिन भी ठंड और कोहरे का असर साफ दिखाई दिया। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया और शहडोल के साथ-साथ इंदौर, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, विदिशा, मंडला और डिंडौरी सहित कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा।

पहाड़ों की बर्फबारी से बढ़ी ठिठुरन

पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते प्रदेश में ठंड का असर और तेज हो गया है। सुबह के समय घने कोहरे के साथ शीतलहर और कोल्ड-डे की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को जेट स्ट्रीम की रफ्तार 278 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जिससे रात के तापमान में तेज गिरावट आई। गुरुवार को भी जेट स्ट्रीम के प्रभावी रहने की संभावना है।

कोहरे से जनजीवन और यातायात प्रभावित

तेज ठंड और कोहरे के कारण जनजीवन पर असर पड़ने लगा है। दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें बुधवार को देरी से पहुंचीं। दतिया और ग्वालियर में सुबह घना कोहरा रहा, जहां दृश्यता घटकर 50 मीटर तक रह गई। नौगांव, सतना, सीधी, भोपाल, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, खजुराहो, मंडला, गुना, खरगोन, राजगढ़ और दमोह में भी कोहरे का असर देखा गया।

तापमान का हाल

प्रदेश में सबसे ठंडा कल्याणपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खजुराहो में 4.2 डिग्री, नौगांव में 4.4 डिग्री, उमरिया में 5.2 डिग्री, रीवा में 5.4 डिग्री और पचमढ़ी में 5.6 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा, जहां पारा 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। भोपाल में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, उज्जैन में 9.8 डिग्री और जबलपुर में 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का दावा –यूक्रेन ने पुतिन को निशाना नहीं बनाया

एजेंसी

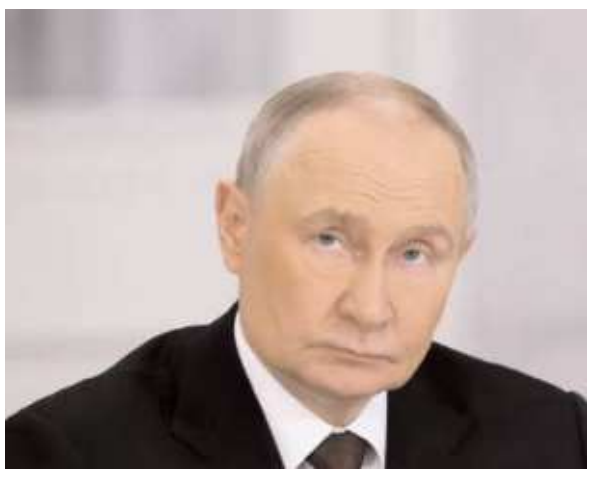

वाशिंगटन : अमेरिका की खुफिया संस्था सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने रूस के उस दावे को गलत बताया है जिसमें कहा गया था कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के आवास को निशाना बना कर घातक ड्रोन हमला किया था। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सीआईए ने क्रेमलिन के दावे के बाद सच पता लगाने के लिए यूक्रेन ड्रोन हमले का आकलन किया है। इसमें पता लगा है कि यूक्रेन ने अपने देश के उत्तर में हाल ही में हुए ड्रोन हमले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस्तेमाल किए जाने वाले आवास को निशाना नहीं बनाया था। सीआईए का यह निष्कर्ष सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान रूसी नेता के आरोप को गलत साबित करती है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप को इस आकलन के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है, रूस ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि यूक्रेन ने सोमवार को पुतिन के घर पर हमला करने की कोशिश की। इसके बाद ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था कि वह यूक्रेन की इस कार्रवाई से परेशान हैं। हालांकि यूक्रेन ने उसकी ओर से ऐसे हमले की बात से इनकार किया था। सूत्रों ने बताया कि रैटक्लिफ ने ट्रंप को बताया कि सीआईए को रूसी दावे के सच होने पर यकीन नहीं था। ट्रंप ने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर न्यूयॉर्क पोस्ट के एक संपादकीय का लिंक पोस्ट किया, जिसका शीर्षक था, ₹पुतिन का उनके आवास पर 'हमले' का दिखावा यह प्रदर्शित करता है और दरअसल रूस ही शांति के रास्ते में रुकावट बन रहा है। उधर रूसी राष्ट्रपति के मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि वह उक्त हमले का फिलहाल कोई सबूत तो नहीं दे सकते हैं। मीडिया को क्रेमलिन की बात पर यकीन करना चाहिए। सीआईए ने पेस्कोव के बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है।

70 लाख से अधिक आबादी वाला देश का पहला स्लम-फ्री शहर बनने की ओर अग्रसर सूरत

एजेंसी

सूरत : गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत देश का पहला ऐसा महानगर बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसकी आबादी 70 लाख से अधिक होने के बावजूद वह स्लम-फ्री (झुग्गी-मुक्त) शहर बनेगा। यह जानकारी गांधीनगर में भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद प्रवक्ता मंत्री जीतुभाई वाघाणी ने मीडिया को दी है। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री जीतु वाघाणी ने बताया कि नरेन्द्र मोदी ने अपने गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शहरी क्षेत्रों को स्लम-फ्री बनाने की जो दूरदर्शी और महत्वाकांक्षी पहल की थी, उसके आज सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

20 वर्ष में बड़ा बदलाव

वर्ष 2006 में सूरत की लगभग 38 प्रतिशत आबादी झुग्गी-बस्तियों में रहती थी। झुग्गीवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए पिछले दो दशकों में निरंतर योजनाबद्ध प्रयास किए गए। इन प्रयासों का परिणाम यह रहा कि आज सूरत में झुग्गी-बस्तियों में रहने वाली आबादी घटकर मात्र 5 प्रतिशत रह गई है। इससे सूरत में स्लम क्षेत्र लगभग समाप्ति की कगार पर पहुंच गए हैं।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश

प्रवक्ता मंत्री वाघाणी ने बताया कि कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए सूरत को गुजरात का पहला स्लम-फ्री महानगर बनाने के लिए ठोस और परिणामोन्मुख कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को दिए हैं। यदि सूरत यह उपलब्धि हासिल करता है तो वह देश का पहला इतना बड़ा स्लम-फ्री शहर बनेगा। हालांकि देश में पहले स्लम-फ्री शहर का दर्जा चंडीगढ़ को प्राप्त है।

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से होगा लागू

एजेंसी

नई दिल्ली : तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 01 फरवरी से लागू होंगे। तंबाकू और पान मसाला पर लगने वाले नए कर, वस्?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त होंगे। ये उस क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लगा, जो वर्तमान में ऐसे हानिकारक उत्पादों पर लगाया जा रहा है। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, एक फरवरी, 2026 से पान मसाला, सिगरेट, तंबाकू और इसी तरह के उत्पादों पर 40 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा जबकि ह्यबीड़ीह्न पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अतिरिक्त, पान मसाला पर स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगाया जाएगा जबकि तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। वित्त मंत्रालय ने चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू व गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 बुधवार देर रात को अधिसूचित किए। उल्लेखनीय है कि संसद ने उन दो विधेयकों को दिसंबर में मंजूरी दी थी, जो पान मसाला बनाने पर नए स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर और तंबाकू पर उत्पाद शुल्क लगाने की अनुमति देते हैं। केंद्र सरकार ने इन शुल्क के एक फरवरी से लागू होने की अधिसूचना जारी कर दी है।

सराफा बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, 1,310 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। ग्लोबल मार्केट में पिछले लगातार तीन सत्र के दौरान हुई जोरदार मुनाफा वसूली के कारण घरेलू सराफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी आ गई है। सराफा बाजार में आज हाजिर सोना 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,34,880 रुपये से लेकर 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,23,640 रुपये से लेकर 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह दिल्ली सराफा बाजार में आज चांदी 2,38,900 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

रांची : भीषण ठंड से जूझते जरूरतमंदों के लिए नव वर्ष की पहली सुबह राहत और उम्मीद लेकर आई, जब समाजसेवी खालिद उमर और वार्ड पार्षद उम्मीदवार फरह माजीद ने गरीब मजदूरों के साथ नव वर्ष मनाकर इंसानियत की मिसाल पेश की। ठिठुरती सर्दी में खुले आसमान के नीचे जीवन गुजार रहे मजदूरों को कंबल भेंट कर उन्होंने उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी।इस अवसर पर खालिद उमर ने कहा कि नव वर्ष केवल उत्सव और आतिशबाजी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह दूसरों के जीवन में थोड़ी गर्माहट और खुशहाली लाने का संकल्प भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन नहीं जीता, तब तक हमारा उत्सव अधूरा है।ह्व कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान गरीबों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने भावुक होकर कहा कि इस ठंड में कंबल उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सादगीपूर्ण माहौल हिन्दपिडि के इदरीसया स्कुल में सम्पन्न हुआ।स्थानीय नागरिकों ने खालिद उमर फरहा माजीद के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज को नई दिशा और सकारात्मक सोच देते हैं। यह पहल न केवल जरूरतमंदों के लिए राहत बनी, बल्कि नव वर्ष के अवसर पर सामाजिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश भी दे गई।

पीला झंडा वैश्य समाज की शान है : साहु

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने आज 1 जनवरी से झंडा लगाओ अभियान की शुरूआत कर दी है. आज सुबह से ही वैश्य मोर्चा के केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों और जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने घरों के ऊपर झंडा लगाना शुरू किया. आज केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु (भुरकुंडा), कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु (कांके), केंद्रीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर मंडल (चिदरी), प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार (गोला), उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता (ओरमांझी), केंद्रीय सदस्य जे.पी. अग्रवाल (भुरकुंडा), हरिदास साव (पतरातू), मुकेशलाल सिंदूरिया (भुरकुंडा), कुणाल प्रसाद (लोहरदगा), बोकारो जिलाध्यक्ष बोधन साव, उपाध्यक्ष सहदेव मंडल (बरई, गोमिया), युवा मोर्चा के सचिव आदित्य पोद्दार (सुकुरहुट्टू), छात्र मोर्चा के सचिव मनोज चौरसिया (गुमला), सुबोध कुमार (टंडवा) आदि ने अपने-अपने घरों के ऊपर वैश्य मोर्चा का झंडा लगा कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर किया. जबकि अन्य पदाधिकारियों के भी झंडा लगाये जाने की तैयारी चल रही है.

इस अवसर पर वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि पीला झंडा वैश्य समाज की शान और पहचान है. इसी झंडे के नीचे वैश्य मोर्चा के पदाधिकारियों और सदस्यों को संगठित होकर समाज के मुद्दों पर संघर्ष और अभियान जारी रखना है, अपने हक-अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा करना है. इसलिए सभी को अपने अपने घरों में झंडा लगाने की जरूरत है. श्री साहु ने कहा कि आम वैश्यजनों जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान और झंडा लगाओ अभियान साथ-साथ चलेगा. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर 30 जनवरी को भुरकुंडा में होने वाले वैश्य सद्भावना महासम्मेलन में सभी नये पुराने सदस्यों को शामिल कराया जायेगा.

खरसांवा गोलीकांड में शहीद हुए लोगो का आंकड़ा उजागर हो : गुरुचरण बांकिया

सरायकेला : आदि सास्कृति विज्ञान संस्थान शाखा सरायकेला के अध्यक्ष सह शहीद स्मारक समिति के सचिव के गुरुचरण बांकिया अपने सैकड़ो साथियो के साथ खरसांवा शहीद वेदी पर विधिवत पूजा अर्चना की तथा श्रदासुमन श्रद्दांजलि अर्पित की । श्री बांकिया ने कहा की हर साल हम सभी शहीदों को श्रदांजली देते है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक खरसांवा गोलीकांड में शहीद हुए लोगो को चिन्हित सरकार नही कर पाई है । सरकार के आंकड़ों में 30 से 35 जन का नाम है जबकि यहा पर जालियावाघ से भी भयावह गोलीकांड हुई थी जिसमे सैकड़ो लोगो की जान गई थी । उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि खरसांवा गोलीकांड में शहीद हुए लोगो की पहचान करें। उन्होंने कहा कि गोलीकांड में शहीद हुए वीर शहीदों का अभीतक क्रियाक्रम तक नहीं हुआ है । उन्होंने कहा कि जबतक मरने वालों का आंकड़ा नहीं मिलता तब तक वीर शहीदों का बलिदान व श्रादांजलि कार्यक्रम व्यर्थ है ।

स्कूटी समेत नदी में गिरने से किशोर की मौत

चाईबासा : स्कूटी समेत नदी में गिरने से मंझारी थाना अंतर्गत बाकी मारा गांव निवासी 15 वर्षीय प्रताप साहू की मौत हो गई। वह है मुफस्सिल थाना अंतर्गत घाघरी में अपने बहन के घर रहता था। आठ दिनों के बाद शव बरामद किया गया। वह 24 दिसंबर 2025 को स्कूटी लेकर घाघरी से मंझारी के बाकीमारा गांव गया था ।वापस लौटने के दौरान तांतनगर ओपी क्षेत्र के तोरलो नदी में स्कूटी समेत गिर पड़ा। जब वह घाघरी वापस नहीं आया तो उसे खोजबीन किया जाने लगा। उसके बावजूद वह नहीं मिला । 1 जनवरी2026 को अहले सुबह जब कुछ ग्रामीण शोच के लिए तोरलो नदी के तरफ गये तो पानी में तैरता हुआ एक शव देखा गया। इसके बाद घटना की सूचना तांतनगर पुलिस को दी गई। पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल लाइ।मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रताप साहू 24 दिसंबर को घर से निकला था, उसके बाद वह घर वापस नहीं आया ।

तीन पुलिस कर्मी हुए सेवानिवृत्त

चाइबासा : चाईबासा पुलिस परिवार में साल 2025 के साथ साथ एक पु०अ०नि० सिद्धनाथ पंडित, हवलदार दिवाकर हेंब्रम हवलदार, रेणु दास सेवानिवृत हुए इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर बाहमन टुटी पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारी पुलिस मेंस एसोसिएशन के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों कि उपस्थिति में सेवानिवृत्त हुए सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों को सुखी जीवन उज्जवल भविष्य एवं आनेवाले नये साल 2026 का बहुत बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मत्स्य निदेशालय के सेवानिवृत निदेशक डॉ. एचएन द्विवेदी की कार्यशैली अनुकरणीय

आठ वर्षों में मत्स्य उत्पादन हुआ दोगुना

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के सफल कार्यान्वयन से मत्स्य कृषकों की बढ़ी आर्थिक समृद्धि

संवाददाता

रांची। झारखंड के मत्स्य निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक सूबे के मत्स्य पालकों/कृषकों की दशा और दिशा सुधारने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। राज्य में मछली का उत्पादन बढ़ाने और मत्स्य पालकों की आर्थिक समृद्धि में वृद्धि के लिए मत्स्य निदेशालय विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल हो रहा है।

विगत तकरीबन आठ वर्षों में झारखंड में मछली उत्पादन में दोगुना वृद्धि हुई है। मत्स्य निदेशालय के निदेशक डॉ. एचएन द्विवेदी (अब सेवानिवृत) ने अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में झारखंड में मत्स्य पालन एवं उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मछली के उत्पादन में डॉ. द्विवेदी ने राज्य को आत्मनिर्भरता के मुकाम पर पहुंचाने में सफलता पाई है। उनके कार्यकाल में विभागीय उपलब्धियां मील का पत्थर साबित हुई है।

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2016-17 में मछली का उत्पादन

एक लाख 45 हजार मीट्रिक टन था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर तीन लाख 63 हजार मीट्रिक टन हो गया। राज्य गठन के समय वर्ष 2001-02 में मछली उत्पादन मात्र 14 हजार मीट्रिक टन था। राज्य गठन के बाद सूबे में मछली की खपत भी बढ़ी। राज्य का प्रति कैपिटा प्रति वर्ष प्रति केजी मछली की खपत वर्ष 2024-25 में 14.13 केजी हो गया।

राज्य में केज कल्चर तकनीक शुरू किया गया। यहां के केज कल्चर तकनीक का अध्ययन दूसरे राज्यों के मत्स्य किसान करते हैं। डॉ.द्विवेदी के कार्यकाल में मछली पालन के लिए कई नई तकनीकें अपनाई गई। पूर्व की तुलना में दोगुना केज हाउस लगाये गये। वहीं, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत नर्सरी तालाबों का निर्माण कराया गया।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत लाभुकों को हेचरी अधिष्ठापन, नए रियरिंग तालाब के निर्माण, बायोफ्लाक्स तालाब निर्माण, मध्यम आकार के सजावटी रंगीन अलंकारी मछलियों की रियरिंग आदि के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति एवं एवं महिला लाभुक को अनुदान दिया गया।

केज कल्चर में झारखंड देश का अग्रणी राज्य है।

प्रति केज औसतन तीन से चार टन मछली का उत्पादन वर्तमान समय में हो रहा है। मछली फीड के उत्पादन के लिए विभिन्न जिलों में फीड मिल स्थापित किया गया। इस संबंध में डॉ. द्विवेदी ने बताया कि तालाबों को सघन मत्स्य पालन से जोड़ने के लिए पांच हजार मत्स्य बीज प्रति एकड़ संचयन करते हुए प्रति एकड़ 1875 का अनुदान उपलब्ध कराया गया। इससे मत्स्य कृषकों की आय में वृद्धि हुई।

मत्स्य कृषकों के निजी तालाबों में झींगा पालन एवं देसी मांगुर पालन शुरू किया गया।

इससे कई किसान आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजातियों का आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गुमला, सिम देगा, हजारीबाग जिला में सेंट्रल आइलैंड फिसरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता के माध्यम से झींगा पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत अनुसूचित जनजातियों को मछली पालन की विभिन्न योजनाओं का आधिकारिक लाभ मिल रहा है।

राज्य स्तर पर मछली पालन, बीज उत्पादन हेचरी संचालन केज में मछली पालन, सकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायो फ्लॉक टैंक एवं बायोफ्लॉक्ड तालाब में मछली पालन, मोती पालन, झींगा पालन, रंगीन मछली पालन, फिश फीड आदि पर आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाते हुए वर्ष 2024-25 में 142005 कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। मछुआरों के बीमा कवरेज के रूप में अब तक 18 से 70 वर्ष के आयु वर्ग के 173900 सक्रिय मछुआरों को आच्छादित किया गया। सक्रिय मछुआरों की दुर्घटना में मृत्यु अथवा पूर्ण अस्थाई अपंगता की स्थिति में पांच लाख, आंशिक अस्थाई अपंगता की स्थिति में ढाई लाख, हॉस्पिटैलिटी की स्थिति में उनके आश्रित को 25 हजार का भुगतान बीमा का प्रावधान है। दुर्घटना की स्थिति में अब तक 45 बीमा दावा का भुगतान किया गया है।

मत्स्य कृषकों को क्रेडिट कार्ड से किया गया आच्छादित

मत्स्य कृषक योजना के क्रियान्वयन के लिए मत्स्य कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। अब तक 1789 कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में राज्य में कुल 907 मत्स्यजीवी सहयोग समितियां हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक मछली उत्पादन में वृद्धि के लिए मत्स्य निदेशालय, (झारखंड सरकार) निरंतर प्रयासरत है। यदि इसी प्रकार मत्स्य निदेशालय की योजनाएं गतिशील रही तो वह दिन दूर नहीं, जब झारखंड मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएगा।

गिरिराज सेवा के आयोजित लिट्टी चोखा कार्यक्रम में उमड़ी हजारों की भीड़

ज्योति पाठक

वर्ष के अंतिम दिन एवंनये वर्ष के आगमन के पूर्व अपने सामाजिक कार्यों एवं दायित्व से पूरे झारखंड में लोकप्रिय सामाजिक संस्था के रूप में पहचाने जाने वाला गिरिराज सेना के द्वारा आयोजित लिट्टी चोखा कार्यक्रम में हजारों लोग उपस्थित होकर लिट्टी चोखा का जमकर लुफ्त उठाया इस अवसर पर सबसे बड़ी उपलब्धि एवं गौरव तथा सबसे बड़ी बात यह रही कि भीषण ठंड के बीच लिट्टी चोखा कार्यक्रम में उपस्थित लोग यह बताने के लिए काफी थे कि लोकप्रिय जनप्रिय सामाजिक संस्था गिरिराज सेना के द्वारा आयोजित प्रतिवर्ष लिट्टी चोखा कार्यक्रम स्नेह अपनापन और भाईचारा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है इस मौके पर स्वयं महादेव गिरी उपस्थित होकर आने वालों का हाल-चाल और कुशल क्षेम भी ले रहे थे गिरिराज सेवा के संस्थापक कमल देव गिरी के द्वारा प्रारंभ किए गए इस लिट्टी चोखा कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष काफी बेहतर ढंग से आयोजित किया जाता है जिसमें शहर वासियों के उपस्थित देखते ही बनती है महिला पुरुष बच्चे सभी लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर काफी आनंदित होते हैं कार्यक्रम में कमलदेव गिरी के तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों के तांता लगी रहीवही गिरिराज सिंह के उमाशंकर गिरी फूलन देवी पूजा गिरी एवं गिरिराज सेवा के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य गण की उपस्थिति भी देखते ही बनी सबों के सकारात्मक सहयोग लिट्टी बनाने से लेकर परोसने तक व्यापक और बेहतर प्रबंधन अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण है संभवत है पूरे झारखंड में यह पहला अवसर है जब प्रतिवर्ष बृहद रूप से आयोजित इस इसलिट्टी चोखा कार्यक्रम में गिरिराज सेवा के द्वारा घर-घर जाकर इस कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रण और सादर आमंत्रित किया जाता है इस आयोजित कार्यक्रम में लोग उपस्थित होकर कार्यक्रम को काफी बेहतर और अलौकिक बनाते हैं इसी के फल स्वरुप या कहा जा सकता है कि गिरिराज सेवा का यह कार्यक्रम शहर वासियों के लिए रहता है आमंत्रण लोग पहुंचकर ऐतिहासिक और काफी बेहतर इस सामाजिक संस्था के सभी पदाधिकारी सदस्य गण इस कार्यक्रम के संदर्भ में प्रख्यात संवेदक और समाजसेवी सुरेश कुमार साव कहते हैं कि ऐसे कार्यक्रम से सामाजिक और लोगों की सहभागिता के प्रति लगाव और झुकाव बढ़ता है गिर्राज सी इसके लिए निश्चित तौर पर बधाई का पात्र है जो प्रतिवर्ष इस प्रकार के भव्य और बेहतर कार्यक्रम का आयोजन कर सबों को एकजुट और एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं हमें ऐसे सामाजिक संस्था से सीख लेनी चाहिए और हमेशा भाईचारा और अपनापन को सदैव अपनाना चाहिए।

सिख समुदाय ने गुरु ग्रंथ साहिब पर पुष्प वर्षा कर मनाया नया साल

सोनिहाल के जयकारों से गूंजा गुरुद्वारा

संवाददाता

जमशेदपुर : नया साल 2026 को लेकर देशभर में जश्न मनाया जा रहा है। जमशेदपुर के साकची गुरुद्वारा मैदान में सिख समाज कीर्तन दरबार में शामिल होकर गुरु ग्रंथ साहिब पर पुष्प वर्षा किया और नया साल का जश्न मनाया। लोगों का मानना है कि हम गुरु की गोद में पुराने साल की विदाई और नए साल का स्वागत करते हैं, जिससे समाज में सुख शांति समृद्धि बनी रहे।

दरअसल, खालसा सेवा दल द्वारा साल के अंतिम दो दिनों के लिए कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया था। जहां खालसा सेवा दल, द्वारा आयोजित दो दिवसीय कीर्तन दरबार में नवां साल गुरु दे नाल का शुभारंभ साकची गुरुद्वारा प्रांगण में बड़े ही श्रद्धा भक्ति भाव से हुआ। कीर्तन समागम में प्रख्यात रागी जत्थों द्वारा गुरुबाणी प्रस्तुत की गई।

अमृतसर हुजूरी रागी श्री दरबार साहिब से भाई सरूप सिंह, पटियाला से बीबी जसप्रीत कौर, तरनतारन से मुख्य ग्रंथि ज्ञानी जजबीर सिंह और साकची गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई नारायण सिंह ने शबद कीर्तन किया। इस दौरान दरबार में आए संगत गुरु चरणों में लीन रहे। 31 दिसंबर की रात होते ही वाहेगुरु वाहेगुरु जो बोले सोनिहाल के जयकारों के साथ सिख समाज गुरुग्रंथ साहिब पर पुष्प वर्षा कर साल 2026 का स्वागत किया। इस दौरान एक-दूसरे को नए साल की बधाई भी दी।

खालसा सेवा दल का कहना है कि गुरु के दरबार में उनकी गोद में वे लोग पुराने साल की विदाई देते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं। इस तरह के आयोजन से समाज में सकारात्मक सोच आती है। उनका मानना है कि ऐसे आयोजन के जरिए नई पीढ़ी को अपने धर्म संस्कृति से जोड़ने का प्रयास है, जिससे वह भटके नहीं।

एक्वा वर्ल्ड में 2025 को पूरे धूम धड़ाके के साथ दी गई विदाई

7 मिनट तक अपनी बीवी को उठा कर रखने के कारण 'वाइफ लिफ्टिंग कंपटीशन' के विजेता बने अरुण

संवाददाता

रांची : एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 में वर्ष के अंतिम दिन भी जबरदस्त धमाल रहा। ढेर सारे कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के जरिए पूरे धूम धड़ाके से 2025 को विदाई दी गई। आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दीपांजलि ग्रुप के विपुल नायक डीजे सर राजू रॉकर्स डेविड गौतम रंजन सुजीत और संजय के द्वारा प्रस्तुत गुड बाय 2025 कार्यक्रम था।इसमें कलाकारों ने डिस्को स्टेशन,जीते है शान से, डिस्को डांसर,यम्मा यम्मा आदि गीतों पर शानदार

नृत्य की प्रस्तुति की लोगों को झुमा दिया। इसके अतिरिक्त आज भी ढेर सारे कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।सबसे ज्यादा लोगों को आनंद वाइफ लिफ्टिंग कंपटीशन में आया जिसमें लोगों को ज्यादा समय तक अपनी बीवियों को उठाकर गोद में रखना था। 7 मिनट के रिकॉर्ड टाइम तक अपनी बीवी को उठाकर रखने के कारण विजेता बने ।इसके अतिरिक्त आज एक बार फिर चॉकलेट की कंपटीशन का आयोजन किया गया। इस बार बच्चों की अतिरिक्त उनकी मम्मियों की भी बारी थी उन्होंने भी जमकर चॉकलेट खाया और इनाम जीते उसके पहले माइंड मास्टर रिकॉल टेस्ट, जुबान जलवा स्लो डाउन, मैं शायर तो नहीं कंपटीशन का भी आयोजन किया गया ।बच्चे और मम्मीयों को एक ही तरह के आउटफिट में भी कैटवॉक कंपटीशन आयोजित हुआ। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, डॉ विद्या झा, विपुल नायक ,सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार,वसीम आलम,राहुल शाह देव,देव ज्योति नाहा,आनंद नायक, प्रदुमन, उदय, आदि उपस्थित थे।

रिलायंस कार्निवल में 1 जनवरी को कोलकता की 'डीजे ग्रूट' मचाएंगी धमाल

1 जनवरी को एक्वा वर्ल्ड में विशेष तैयारी की गई है। कोलकता की डीजे ग्रुट धमाल मचाने के लिए आ रही है। 1 जनवरी के प्रवेश टिकट पर लकी ड्रा निकाला जाएगा जिसको विजेता को एलइडी टीवी दिया जाएगा।इसके अतिरिक्त चॉकलेट, चिप्स और मिर्ची ईटिंग कंपटीशन, जोरू का गुलाम सहित दर्जनों प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा ।सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है।